सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 310, नई दिल्ली । शनिवार, 18 जनवरी 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो जो चाहोगे वही पाओगे।

03 भाजपा पूर्वांचल समाज को बड़े तिरस्कार की नजर से देखती है: केजरीवाल
06 कॉलेज जीवन और स्टार्टअप के बीच संतुलन कैसे बनाएं?
08 यातायात जाम के कारण यात्री फंसे: जयदेव विहार-नंदनकानन मार्ग दिनभर जाम

दिल्ली-एनसीआर से ग्रैप-3 के प्रतिबंध हटे
अब चल सकेंगे BS-3 पेट्रोल और BS-4 डीजल वाहन

संजय बाटला

दिल्ली और एनसीआर में वायु गुणवत्ता में सुधार के चलते सीएक्यूएम ने GRAP-3 के तहत लगाए गए प्रतिबंधों को हटा लिया है। अब दिल्ली और एनसीआर के चार जिलों गुरुग्राम फरीदाबाद गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर में BS-3 पेट्रोल और BS-4 डीजल वाहनों के इस्तेमाल पर लगी रोक हट गई है। साथ ही हर तरह के निर्माण और विध्वंस से संबंधित कार्य भी हो सकेंगे।

नई दिल्ली। मौसम की मेहरबानी से एक्यूआई में हुए सुधार के मद्देनजर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की उप समिति ने शुक्रवार को दिल्ली और एनसीआर से ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) तीन के नौ सूत्री प्रतिबंध भी तत्काल प्रभाव से वापस ले लिए। बृहस्पतिवार को ही ग्रैप चार के प्रतिबंध हटाए गए थे। लेकिन ग्रैप एक और दो के प्रतिबंध बरकरार रहेंगे।

इससे दिल्ली व एनसीआर के चार जिलों गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद व गौतमबुद्ध नगर में बीएस तीन पेट्रोल एवं बीएस चार डीजल वाहनों के इस्तेमाल पर रोक खत्म हो गई है। साथ ही हर तरह के निर्माण और विध्वंस से संबंधित हर तरह के कार्य भी हो सकेंगे।

स्कूल हाइब्रिड मोड में चलाने की अनिवार्यता खत्म

दिल्ली और एनसीआर के उक्त चारों जिलों में पांचवीं कक्षा तक स्कूल हाइब्रिड मोड में चलाने की अनिवार्यता भी खत्म हो गई है। सीएक्यूएम का कहना है कि शुक्रवार शाम चार बजे दिल्ली का एयर इंडेक्स घटकर 289 हो गया। सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित सीमा 350 से यह 61 प्वाइंट कम है। अनुमान है कि अभी आगे इसमें और गिरावट होगी।

माल वाहक वाहनों के भी प्रवेश करने पर लगी रोक भी हटी

मालूम हो कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार एयर इंडेक्स 350 से 400 होने पर ग्रैप तीन एवं ग्रैप चार के प्रतिबंध जरूरी है। एयर इंडेक्स 350 से कम होने के कारण ग्रैप तीन के प्रतिबंध हटाए गए हैं। ग्रैप के नियमों का पालन नहीं करने के कारण जिन निर्माण परियोजनाओं और विध्वंस स्थलों को बंद करने का अलग से आदेश जारी हुआ था उस पर रोक जारी रहेगी। स्टोन क्रसर मशीनों के संचालन, खनन और उससे जुड़ी गतिविधियों पर लगी रोक खत्म हो गई है। बीएस चार डीजल इंजन वाले माल वाहक वाहनों के दिल्ली में प्रवेश करने पर लगी रोक भी हट गई है।

ये प्रतिबंध भी हटे

दिल्ली में पंजीकृत बीएस चार या उससे कम मानक के डीजल इंजन एमजीवी (मीडियम गुड्स व्हीकल) का राष्ट्रीय राजधानी में परिचालन पर लगा प्रतिबंधित हटा।

दिल्ली के बाहर पंजीकृत बीएच चार या उससे कम मानक के डीजल इंजन के हल्के व्यवसायिक वाहनों के दिल्ली में प्रवेश पर लगी रोक हटी।

दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद व गौतम बुद्ध नगर में सरकारी दफ्तरों व सिविक एजेंसियों के कार्यालय के ड्यूटी के समय में बदलाव कर दफ्तरों के खोलने और बंद करने का समय अलग-अलग निर्धारित करने की अनिवार्यता खत्म।

शुक्रवार को एनसीआर के विभिन्न शहरों का एक्यूआई

दिल्ली	289
गाजियाबाद	239
ग्रेटर नोएडा	190
नोएडा	232
गुरुग्राम	199
फरीदाबाद	183

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

कितना फ्री दोगे? स्टूडेंट्स के लिए फ्री हुई बस तो निशाने पर आए केजरीवाल

परिवहन विशेष न्यूज

इंस्टाग्राम पर आम आदमी पार्टी के हैंडल से डाले गए वीडियो को अब तक 14 हजार से ज्यादा लोग देख चुके हैं. कुछ यूजर्स फ्री के ऐलान के लिए केजरीवाल को निशाने पर ले रहे हैं तो कुछ ने इस के लिए तारीफ भी की.

नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे पास रहे हैं, दिल्ली वालों की मौज बढ़ती जा रही है. आए दिन कोई न कोई नेता उनकी गली में आ रहा है और नए-नए वादे कर रहा है. दिल्ली की सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी इसमें सबसे आगे है. अब आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक और ऐलान कर सबको चौंका दिया है। अभी तक केवल महिलाओं के लिए दिल्ली सरकार की बस सेवा बिल्कुल मुफ्त थी, लेकिन अब स्टूडेंट्स भी इन बसों में फ्री में ट्रैवल कर सकेंगे. यहां तक कि दिल्ली सरकार ने छात्रों को मेट्रो किराए में भी रियायत देने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखा है. केजरीवाल के ऐलान के बाद सोशल मीडिया पर कमेंट्स की बाढ़ आ गई है. कई लोग इस ऐलान को फ्री की रेवड़ी बता रहे हैं, तो कई यूजर्स केजरीवाल की तारीफ भी कर रहे हैं.

आम आदमी पार्टी ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट किया है. इस वीडियो में देखा जा सकता है कि अरविंद केजरीवाल छात्रों के लिए फ्री बस सेवा का ऐलान कर रहे हैं. इसके अलावा उन्होंने दिल्ली मेट्रो के किराए में भी स्टूडेंट्स को 50 फीसदी छूट देने का ऐलान किया. केजरीवाल ने वीडियो में कहा, अधिकतर स्टूडेंट्स मेट्रो का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन इसका किराया काफी महंगा हो गया है. मैंने प्रधानमंत्री जी को चिट्ठी लिखकर स्टूडेंट्स को 50 प्रतिशत रियायत देने की मांग की है. इस खर्च को दिल्ली और केंद्र सरकार मिलकर वहन करेंगे. इंस्टाग्राम पर आम आदमी पार्टी के हैंडल से डाले गए इस वीडियो को अब तक 14 हजार से ज्यादा लोग देख चुके हैं. इस पर यूजर्स तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, 'सर कितना लालच दोगे सर, हमारे लिए नई नौकरियां और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप करो'. एक अन्य यूजर ने लिखा, 'सब फ्री में दे दो, लुटा दो देश को'. वहीं एक यूजर ने लिखा, 'जब मैं स्टूडेंट था तब क्यों नहीं किया?' एक ने लिखा है कि यह सब सोच इलेक्शन से पहले ही क्यों आती हैं, उससे पहले क्यों नहीं करते? कुछ लोगों ने इस घोषणा के लिए अरविंद केजरीवाल की तारीफ भी की है. एक यूजर ने लिखा कि यह सरकार लोगों के हित के बेस्ट डिसीजन लेती है, तो वहीं एक ने लिखा कि ऐसा सिर्फ अरविंद केजरीवाल सर ही ऐसा कर सकते हैं।

स्टूडेंट्स भी बसों में कर सकेंगे फ्री सफर, मेट्रो में भी 50 फीसदी छूट की बात; केजरीवाल का पीएम को पत्र

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने युवा वोटरों को लुभाने के लिए एक बड़ा दांव खेला है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर दिल्ली मेट्रो में छात्रों के लिए 50 प्रतिशत छूट की मांग की है। केजरीवाल का मानना है कि इससे युवाओं को सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा और प्रदूषण को कम करने में भी मदद मिलेगी।

नई दिल्ली। दिल्ली में चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के संयोजक केजरीवाल ने बड़ा दांव खेल दिया है। केजरीवाल ने युवा वोटरों पर अपनी पकड़ बनाने के लिए केंद्र से बड़ी मांग की है। उन्होंने इसके लिए पीएम मोदी को पत्र लिख स्टूडेंट्स को मेट्रो में 50 फीसदी छूट देने की मांग की है।

बता दें कि आज दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन का आखिरी दिन है। दिल्ली में पांच फरवरी को वोटिंग होगी, जबकि आठ फरवरी को चुनाव का परिणाम आएगा।

केजरीवाल ने कहा कि हम स्टूडेंट्स के लिए बसों में फ्री यात्रा की योजना बना रहे हैं।

केजरीवाल ने एक और गारंटी दी है। उन्होंने कहा कि अगर दिल्ली में हमारी सरकार बनेगी तो छात्रों के लिए बसों में फ्री यात्रा की योजना लागू करेंगे।

वहीं, विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (AAP) दिल्ली की सभी 70 सीटों पर अपने प्रत्याशियों को मैदान में उतार चुकी है। उधर, बीजेपी और कांग्रेस ने भी अपने सभी 70-70 उम्मीदवार उतार दिए हैं। हालांकि, बीजेपी ने गठबंधन में साथ में आए अन्य दो दलों (जदयू-लोजपा) को एक-एक सीट दी है।

अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है।

छात्रों को दिल्ली मेट्रो में 50 प्रतिशत छूट देने की मांग की।

दिल्ली मेट्रो में केंद्र और दिल्ली सरकार दोनों का हिस्सा।

केंद्र और दिल्ली सरकार दोनों इससे होने वाला खर्चा वहन करें।

हम बस में छात्रों के लिए फ्री बस यात्रा की योजना बना रहे हैं।

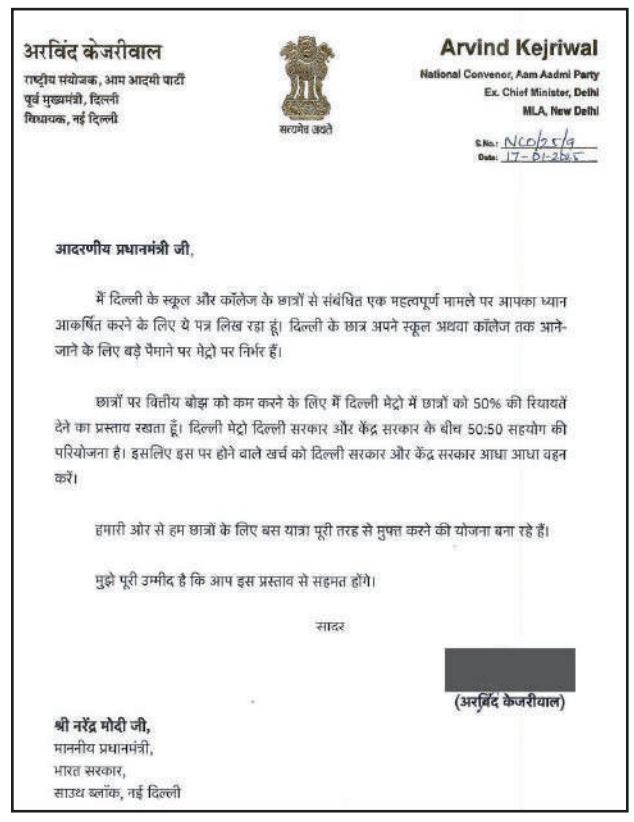

अरविंद केजरीवाल
राष्ट्रीय संयोजक, आम आदमी पार्टी
पूर्व मुख्यमंत्री, दिल्ली
विधायक, नई दिल्ली

सत्यमेव जयते

Arvind Kejriwal
National Convenor, Aam Aadmi Party
Ex. Chief Minister, Delhi
MLA, New Delhi

D.No.: NCO/25/9
Date: 17-01-2025

आदरणीय प्रधानमंत्री जी,

मैं दिल्ली के स्कूल और कॉलेज के छात्रों से संबंधित एक महत्वपूर्ण मामले पर आपका ध्यान आकर्षित करने के लिए ये पत्र लिख रहा हूं। दिल्ली के छात्र अपने स्कूल अथवा कॉलेज तक आने-जाने के लिए बड़े पैमाने पर मेट्रो पर निर्भर हैं।

छात्रों पर वित्तीय बोझ को कम करने के लिए मैं दिल्ली मेट्रो में छात्रों को 50% की रियायतें देने का प्रस्ताव रखता हूँ। दिल्ली मेट्रो दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के बीच 50:50 सहयोग की परियोजना है। इसलिए इस पर होने वाले खर्च को दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार आधा आधा वहन करें।

हमारी ओर से हम छात्रों के लिए बस यात्रा पूरी तरह से मुफ्त करने की योजना बना रहे हैं।

मुझे पूरी उम्मीद है कि आप इस प्रस्ताव से सहमत होंगे।

सादर

(अरविंद केजरीवाल)

श्री नरेंद्र मोदी जी,
माननीय प्रधानमंत्री,
भारत सरकार,
साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली

अंग्रेजों के जमाने का है भारत का ये रेलवे स्टेशन, आजादी के बाद भी है पहले जैसा

परिवहन विशेष न्यूज

यहां आपको एक ऐसे रेलवे स्टेशन के बारे में बताया जा रहा है, जो कि भारत का सबसे पुराने और आखिरी रेलवे स्टेशन है। अंग्रेजों के जमाने का यह रेलवे स्टेशन आज भी वैसा ही है, जैसा आजादी से पहले था। आइए जानते हैं देश के सबसे पुराने और ऐतिहासिक रेलवे स्टेशन के बारे में।

नई दिल्ली। भारत की आजादी के बाद देश में कई बदलाव आए, जिसकी शुरुआत भारत को एक लोकतांत्रिक देश के रूप में मान्यता दिलाकर हुई। 26 जनवरी 1950 को भारत ने अपना संविधान अपनाया। देश की कार्यपालिका, न्यायपालिका और व्यवस्थापिका भारतीय संविधान के अनुरूप कार्य करने लगी। उसके बाद से हर साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के तौर पर मनाया जाने लगा और गुलाम भारत की कहानी इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गई। आजादी के बाद जहां कई बदलाव और विकास देश में हुए, वहीं आजादी से पहले के भारत की कुछ यादें, धरोहरें आज भी मौजूद हैं जो उस दौर की कहानी बयां करती हैं।

भारत आज मेट्रो और बुलेट ट्रेन पर कार्य कर रहा है लेकिन भारत में रेल लाने का श्रेय ब्रिटिश को जाता है। अंग्रेजों के जमाने में ही देश में ट्रेन चलने लगी थीं और कई रेलवे स्टेशनों का निर्माण हुआ था। मौजूदा समय में भारत में लगभग सात हजार से अधिक रेलवे स्टेशन हैं, जिसमें से कई ऐतिहासिकता की कहानी समेटे हुए हैं। लेकिन यहां आपको एक ऐसे रेलवे स्टेशन के बारे में बताया जा रहा है, जो कि भारत का सबसे पुराने और आखिरी रेलवे स्टेशन है। अंग्रेजों के जमाने का यह रेलवे स्टेशन आज भी वैसा ही है, जैसा आजादी से पहले था। आइए जानते हैं देश के सबसे पुराने और ऐतिहासिक रेलवे स्टेशन के बारे में।

सबसे पुराना रेलवे स्टेशन

भारत के सबसे पुराने रेलवे स्टेशन का नाम सिंहाबाद है। सिंहाबाद रेलवे स्टेशन का इतिहास भारत की समृद्ध रेलवे परंपरा और ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के समय से जुड़ा हुआ है। यह स्टेशन बंगाल के मालदा जिले में स्थित है और इसका उपयोग भारत और बांग्लादेश के बीच रेलवे संपर्क के लिए किया जाता है। इस रेलवे स्टेशन का उपयोग मालगाड़ियों के ट्रांजिट के लिए होता है।

भारत-बांग्लादेश की सीमा से सटा हुआ बना ये रेलवे स्टेशन देश का आखिरी स्टेशन है। यहां से कुछ किमी दूर ही बांग्लादेश है, जहां लोग पैदल ही घूमने चले जाते हैं। सिंहाबाद बहुत ही छोटा रेलवे स्टेशन है, जहां ज्यादा चहल-पहल नहीं होती, क्योंकि इस रेलवे स्टेशन पर यात्री कम और मालगाड़ियों का आवागमन अधिक होता है।

सिंहाबाद रेलवे स्टेशन का इतिहास

सिंहाबाद रेलवे स्टेशन ब्रिटिश राज के दौरान बनाया गया था।

यह स्टेशन 19वीं सदी के अंत और 20वीं सदी की शुरुआत में भारत और बंगाल (अब बांग्लादेश) के बीच व्यापार और परिवहन को सुगम बनाने के लिए स्थापित किया गया।

यह रेलवे मार्ग असम-बंगाल रेलवे प्रणाली का हिस्सा था, जो चाय, जूट, और अन्य कृषि उत्पादों के परिवहन के लिए महत्वपूर्ण था।

वर्तमान में सिंहाबाद रेलवे स्टेशन

1947 में भारत के विभाजन के बाद सिंहाबाद रेलवे स्टेशन का महत्व घट गया। पूर्वी बंगाल के पाकिस्तान बनने के कारण यह मार्ग अव्यवस्थित हो गया। वहीं भारत और बांग्लादेश के बीच 1971 में युद्ध के बाद इसका उपयोग और कम हो गया। अब यह मार्ग भारत से बांग्लादेश को मालगाड़ियों के जरिए माल भेजने के लिए उपयोग किया जाता है।

जयपुर-दिल्ली नेशनल हाइवे पर यात्रा हुई महंगी, टोल टैक्स में हुई बढ़ोतरी, जानिए नया रेट

परिवहन विशेष न्यूज

जयपुर से दिल्ली का सफर करने वालों को अब ज्यादा टोल देना होगा। जयपुर से वाया शाहपुरा-कोटपूतली-बहरोड़ होकर जाने वाले छह लेन हाइवे पर टोल दरें बढ़ा दी गई है।

जयपुर। जयपुर से दिल्ली का सफर करने वालों को अब ज्यादा टोल देना होगा। जयपुर से वाया शाहपुरा-कोटपूतली-बहरोड़ होकर जाने वाले छह लेन हाइवे पर टोल दरें बढ़ा दी गई है, जो शुक्रवार रात 12 बजे से लागू हो जाएगी। यह दरें पिछले साल दिसम्बर में बढ़ाई गई थी, जिसे अब लागू की गई है।

एनएचएआई ने रोड का काम करवाने के बाद रात 12 बजे से टोल टैक्स की दरों में बढ़ोतरी का फैसला किया है। अब एक कार ड्राइवर को जयपुर से गुरुग्राम तक जाने के लिए 35 रुपए ज्यादा टोल टैक्स देना पड़ेगा।

नई टोल दरें

दौलतपुरा, मनोहरपुर और शाहजहांपुर टोल बूथों पर बढ़ाई गई है। एक कार ड्राइवर को अब दौलतपुरा टोल बूथ पर 70 रुपए के बजाय 75 रुपए देने होंगे। इसी तरह मनोहरपुर टोल बूथ पर 80 रुपए के बजाय 90 रुपए और शाहजहांपुर टोल बूथ पर 170 रुपए के बजाय 190 रुपए देने होंगे।

सच्ची आजादी और झूठी आजादी का द्वन्द

राकेश अचल

हम अजीब देश में जन्मे हैं ,जहां आजादी को भी झूठा और सच्चा कहा जा रहा है। मुझे फक्र है कि मै एक आजाद और धर्मनिरपेक्ष हिंदुस्तान में जन्मा हूँ। लेकिन मुझसे 9 साल पहले जन्मे आरएसएस के प्रमुख डॉ मोहन भागवत को ये गर्व नहीं है। उन्हें शायद मलाल है कि वे 2014 के बाद क्यों नहीं जन्मे । उन्हें कायदे से 2014 के बाद जन्म लेना था ,क्योंकि उनके हिसाब से 15 अगस्त 1947 को मिली आजादी झूठी आजादी थी ,डॉ भागवत कहते हैं कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को प्रतिष्ठा द्वादशी के तौर पर मनाया जाना चाहिए , इसे ही भारत का 'सच्चा स्वतंत्रता' दिवस मानना चाहिए।

आजादी को लेकर कौन -क्या सोचता है इसका आधार राम मंदिर बनने के बाद की आजादी से हासिल नहीं हुआ बल्कि ये अभिव्यक्ति की आजादी डॉ भागवत समेत देश के असंख्य भारतीयों को 15 अगस्त 1947 को मिली आजादी के बाद मिली है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सही कहते हैं कि डॉ भागवत किसी और दूसरे मुल्क में देश की आजादी को सच्चा-झूठा कहते तो देशद्रोह के आरोप में जेल के सींखचों के पीछे होते। लेकिन दूसरे देश में डॉ भागवत जैसों को जन्म मिलता ही क्यो।

दरअसल गलती डॉ मोहन भागवत की नहीं है । गलती साबरमती के उस संत की है जिसने डॉ मोहन भागवत और देश के तमाम संघियों को आजादी बिना खड्ग ,बिना ढाल उठाये दे दी।दुनिया इस आजादी को कमाल मानती है लेकिन डॉ मोहन भागवत और उनके संगी-साथी अपने आपको राम मंदिर बनने के बाद आजाद मानते हैं। डॉ भागवत को संविधान ऐसी छूट नहीं देता लेकिन संघ देता है जिसका भारत के संविधान से की लेना-देना नहीं है। चंद्रपुर महाराष्ट्र के इस संत को कौन समझाये कि साबरमती के संत के नेतृत्व में मिली आजादी का ही सुफल है कि डॉ मोहन भागवत को न जेल जाना पड़ा, न अंग्रेजों की लाठियां खाना पड़ीं और घर बैठे आजादी मिल गयी।

राजनीति में उठा-पटक चलती है। उंच-नीच चलती है। हास -परिहास चलता है। बडबुकता चलती है, लेकिन मूर्खता का कोई स्थान नहीं होता,किन्तु माननीय डॉ मोहन भगवत में सच्ची आजादी को झूठी आजादी बताकर राजनीति में मूर्खता को भी स्थापित कर दिया है। मुझे डॉ भागवत की समझ पर कोई हैरानी नहीं है । वे पशु चिकित्सक हैं, उन्होंने इतिहास, भूगोल पढ़ा ही नहीं है । उन्हें क्या पता कि आजादी कब मिली और कब नहीं ? मै राहुल गाँधी की तरह डॉ भागवत से ख़फ़ा भी नहीं हूँ ,क्योंकि मै जानता हूँ कि डॉ भागवत ने वही कहा है जो उनके संस्कारों में शामिल है। जो डॉ भागवत ने कहा है वो ही देश के प्रधानमंत्री कहेंगे और वो ही गृह मंत्री। देश की सच्ची आजादी को झूठी आजादी कहना संघमित्रों की विवशता है। इसलिए उन्हें क्षमा कर दिया जाना चाहिए।

कांग्रेस की राजनीति से आपकी या मेरी सहमति और असहमति हो सकती है लेकिन 15 अगस्त 1947 को मिली आजादी से हमारी-आपकी कोई असहमति नहीं हो सकती ,क्योंकि उस दिन हमें जो आजादी मिली उसका मोल लगाना आज के संघमित्रों के बूते की बात नहीं है । उनकी विरासत में एक दो सावरकरों ,नाथूरामों को छोड़कर कोई भगत सिंह, कोई सुभासचन्द्र बोस, कोई गाँधी, कोई पटेल ,कोई नेहरू है ही नहीं। जो हैं वे ज़यदातर माफीवीर हैं। वे आजादी की कीमत देने की स्थिति में कभी रहे ही नहीं। हमारे दादा कहा करते थे कि ' बंदर को अदरक का स्वाद' पता नहीं होता। शाखामृगों के साथ भी यही विडंबना है, वे आजादी का स्वाद नहीं जानते। देश में एक बार लागू किया गया आपातकाल भी इन शाखामृगों को आजादी का अर्थ नहीं समझा सका ,हालाँकि आपातकाल एक अधिनायकवादी कदम था। मै क्या कोई भी उसका समर्थन नहीं करता।

आजादी को नकारने वाले और द्वादशी को सच्ची आजादी का दिन मानने वाले डॉ मोहन भागवत को चाहिए कि वे देश से समय रहते माफ़ी मांग लें । न मांगे तो उनकी मर्जी ,लेकिन मै चूंकि उनका भी शुभचिंतक हूँ इसलिए उन्हें नेक सलाह दे रहा हूँ, क्योंकि उनके शाखामृगों में से किसी एक भी हिम्मत नहीं है जो उन्हें ऐसी नेक सलाह दे सके। वे तो उसी रास्ते पर चलकर ' नमस्ते सदा वतस्ले' करेंगे जिस रास्ते पर उन्हें हांका जाएगा। ये मौक़ा है जब संघ की शखाओं में बंधक वे तमाम शाखामृग बाहर निकल सकते है। जो आजादी का सही अर्थ समझते है। जो शहीदों का सम्मान करते हैं। जो अंधे नहीं हैं।

कांग्रेस के नेता राहुल गांधी को शाबासी दी जाना चाहिए कि उन्होंने डॉ भागवत के बयान का संज्ञान लिया और देश को बताया कि आजादी पर टीका करने वाला नासमझ व्यक्ति कौन है । भाजपा और संघ के तमाम नेताओं ने डॉ भागवत की गलती पर बोलने के बजाय राहुल गांधी पर सामूहिक हमला बोला है ये कहते हुए कि वे भारत से ही लड़ रहे है। राहुल गाँधी ने कहा है कि वे संघ, भाजपा और इंडियन स्टेट से लड़ रहे हैं। निसंदेह राहुल गाँधी के कथन में स्पष्टता नहीं है। वे किस इंडियन स्टेट की बात कर रहे हैं ,ये उन्हें स्पष्ट करना चाहिए । हालाँकि जहाँ तक मेरी समझ में आया है वे डबल इंजिन की सरकारों वाले राज्यों की बात कर रहे होंगे। राहुल गाँधी , डॉ भागवत की तरह देश की आजादी को सच्चा-झूठा नहीं कह सकते,क्योंकि उनके पूर्वजों ने आजादी से पहले भी कुर्बानियां दिन और आजादी के बाद भी।

बहरहाल डॉ मोहन भागवत ने देश में महाकुम्भ के चलते एक मूर्खतापूर्ण बयान देकर देशवासियों का मजा किरकिरा कर दिया है। उन्होंने किसानों के आंदोलन की खबर को भी दबा दिया है । वे दिल्ली विधानसभा चुनावों में बिधूड़ी की मौजूदगी पर भी पर्दा डालने में कामयाब रहे हैं। डॉ मोहन भागवत की भागवत में ऐसे प्रसंग आते रहेंगे, इसके लिए देशवासियों को तैयार रहना चाहिए । संघ का काम ही सच को झूठ और झूठ को सच बताने का है। ये काम करने में संघमित्र सिद्धहस्त हैं,पारंगत हैं। दुनिया के तमाम झूठे लोग संघ के समाने बौने हैं। मुझे यकीन है कि देशवासी डॉ मोहन भागवत के कहने के बाद भी 15 अगस्त को सवतंतता दिवस मनाना नहीं भूलेंगे। ये भूल डॉ भागवत भले ही कर दें किन्तु प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र दामोदर दस मोदी भी ये गलती करने वाले नहीं है कि वे भारत का स्वतांत्रता दिवस 15 अगस्त से बदलकर 05 अगस्त द्वादसी कर दें। शहरों,स्टेशनों,सरायों के नाम बदलना आसान है लेकिन किसी देश का स्वतंत्रता दिवस बदलना असम्भव है।

माइग्रेन

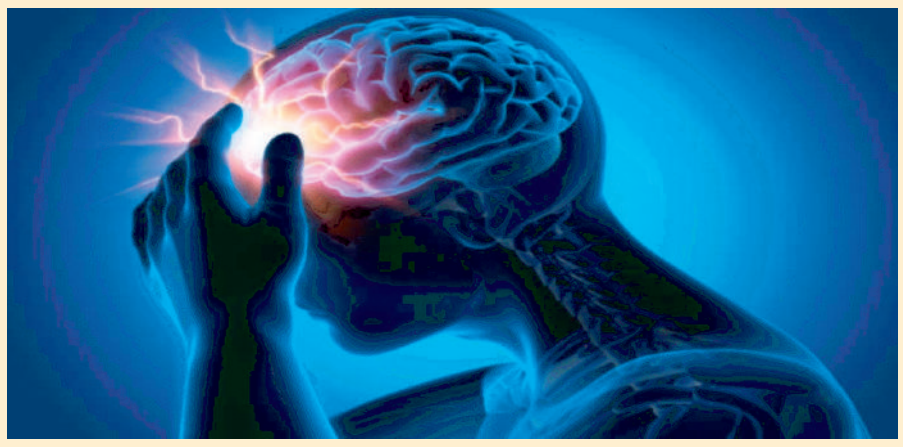

भारत में 2 करोड़ से अधिक लोग माइग्रेन से पीड़ित हैं।

माइग्रेन क्या होता है ? माइग्रेन एक तेज सिरदर्द से भी कहीं अधिक है, इसे हाल ही में तंत्रिका मार्गों और मस्तिष्क रसायनों से जुड़े एक न्यूरोलॉजिकल विकार के रूप में पहचाना गया है।

माइग्रेन के लक्षण माइग्रेन का अनुभव अलग-अलग तरह से होता है , यह इस बात पर निर्भर करता है कि कौन इससे गुजर रहा है,

इसे जानने के लक्षणों की एक सूची

1. मूड का बदलना
2. कब्ज
3. थकान
4. बार-बार उबासी आना
5. सिरदर्द और गर्दन में अकड़न
6. प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता
7. मतली एवं उल्टी

माइग्रेन के लिए संभावित फूड ट्रिगर क्या हैं ? अपने भोजन के ट्रिगर्स को निर्धारित करने का सबसे अच्छा तरीका एक न्यूट्रिशनिस्ट के साथ मिलकर काम करना है जो विशेषज्ञता के साथ आपका मार्गदर्शन कर सकता है,

कुछ सामान्य फ़ूड ट्रिगर हैं

1. सॉल्टी,
2. प्रोसेस्ड फ़ूड
3. अल्कोहल
4. कैफ़ीन
5. डेरी प्रोडक्ट
6. सोया सॉस
7. चॉकलेट
8. कम पानी
9. हिस्टामाइन रिलीज़िंग फ़ूड जैसे केला, संतरा , बैरीज

अन्य ट्रिगर

1. तनाव काम या घर पर तनाव माइग्रेन का कारण बन सकता है।

2. अनियमित भोजन का समय लंबे समय तक भोजन का अंतराल या भोजन छोड़ना, मसालेदार भोजन करना ये सभी माइग्रेन को ट्रिगर करते हैं।

3. अनियमित नींद का पैटर्न बहुत कम सोना या अधिक सोना कुछ लोगों में माइग्रेन का कारण बन सकता है।

4. मैग्नीशियम की कमी मैग्नीशियम न्यूरोट्रांसमिशन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह माइग्रेन के लिए एक महत्वपूर्ण खनिज है और माइग्रेन के लिए एक प्राकृतिक उपचार है। कुछ लोगों में माइग्रेन का कारण मैग्नीशियम की कमी हो सकती है।

5. महिलाओं में हार्मोनल परिवर्तन एस्ट्रोजन में उतार-चढ़ाव, जैसे मासिक धर्म से पहले/उस दौरान, गर्भावस्था और रजोनिवृत्ति, कई महिलाओं में सिरदर्द का कारण बनते हैं। ओरल गर्भ निरोधकों जैसी हार्मोनल दवाएं भी माइग्रेन को खराब कर सकती हैं।

लाइफस्टाइल एवम्-फूड मैनेजमेंट, निष्कर्ष माइग्रेन का दर्द व्यक्ति के लिए अनोखा होता है, इसलिए अपने स्वयं के भोजन ट्रिगर और अपनी जीवनशैली में उन चीजों को ढूंढना अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण है जिन्हें आप नियंत्रित कर सकते हैं और रोकथाम के लिए प्रबंधन कर सकते है।

माइग्रेन होता है कई बीमारियों को पैदा करने का कारक आज के इस दौर में हमें कई तरह की बीमारियों के बारे में सुनने को मिल रहा है। उन्हीं में से एक है माइग्रेन या अधकपारी। आपने सिरदर्द के बारे में तो सुना ही होगा। मुमकिन है कि आपने अनुभव भी किया होगा। माइग्रेन एक ऐसी अवस्था है जिसमें इंसान को बार-बार गंभीर सिरदर्द का अहसास होता है। आमतौर पर इसका प्रभाव आधे सिर में देखने को मिलता है और दर्द आता-जाता रहता है। हांलाकि कई लोगों में यह दर्द पूरे सिर में भी होता है। माइग्रेन साधारण सिरदर्द से हटकर एक विशेष तरह का सिरदर्द है और इससे पूरी दुनिया में कई लोग पीड़ित हैं। ऐसा हो सकता है कि लोग इसे आम सिरदर्द समझकर नज़र अंदाज कर दें। लेकिन ध्यान रहे, अगर आपको बार-बार इस तरह का दर्द होता है तो आप ज़रूर किसी अच्छे डॉक्टर से सलाह लें।

माइग्रेन से जुड़े कुछ महत्त्वपूर्ण बिंदु

1 इस तरह की परेशानी पुरूषों के मुकाबले महिलाओं में ज़्यादा देखने को मिलती है। इसके अलावा यह बीमारी बच्चों में भी पाई जाती है।

2 आमतौर पर इसका असर कुछ घंटों तक होता है लेकिन यह कुछ दिन तक भी रह सकता है।

3 काफी लोगों में उम्र बढ़ने के साथ ही इसका प्रभाव कम होने लग जाता है।.....

माइग्रेन के प्रकार

1 दृष्टि संबंधी माइग्रेन इसे आप क्लासिकल माइग्रेन के नाम से भी समझ सकते हैं। ऐसी अवस्था में आंखों से संबंधित परेशानियां, जैसे रोशनी में चकाचैंध या रोशनी में काले धब्बे की दिक्कतें आ सकती हैं।

2 दृष्टि रहित माइग्रेन- इस तरह के माइग्रेन को कॉमन माइग्रेन भी कहा जाता है। तेज़ सिरदर्द के साथ ही लोगों को कुछ परेशानियां होती हैं, जैसे कि उल्टी आना, मूड स्विंग, आदि।

3 क्रॉनिक माइग्रेन इस तरह के माइग्रेन की शिकायत उन लोगों में ज़्यादा पाई जाती है जो दवाईयों का अधिक सेवन करते हैं। क्रॉनिक माइग्रेन को मिश्रित सिरदर्द भी कहा जाता है क्योंकि इसमें माइग्रेन और तनावपूर्ण सिरदर्द के टिशू की उपस्थिति होती है

4 ऑप्टिकल माइग्रेन- इसे आई माइग्रेन के नाम से भी जाना जाता है जिसका किसी एक आंख पर असर दिखाई देता है। इस तरह के माइग्रेन में आंख खराब होने की आशंका रहती है। इसलिए ज़रूरी है कि जल्द से जल्द मेडिकल सहायता ली जाए।

सिरदर्द और माइग्रेन में अंतर कई बार हमें हल्के से मध्यम रूपी सिरदर्द होता है। इसकी वजह है सिर और गर्दन के बीच की मांसपेशियों का संकुचन। सामान्य तौर पर सिरदर्द कुछ मिनटों से लेकर कुछ घंटों तक रह सकता है। कुछ मामले ऐसे भी होते हैं जहां इंसान को कई दिनों तक भी सिरदर्द की परेशानी रहती है।

लेकिन अगर बात की जाए माइग्रेन की, इसका असर मध्यम से लेकर गंभीर होता है। कभी-कभी तो इसका असर इतना बढ़ जाता है कि इंसान कुछ समय के लिए अपना दैनिक कार्य भी ढंग से नहीं कर पाता। जब किसी को सिरदर्द की समस्या होती है, तो उसके साथ कोई चेतावनी के संकेत नहीं होते हैं। वहीं दूसरी ओर, माइग्रेन में औरा जैसे कुछ लक्षण दिखाई देने लगते हैं। ऐसा कम ही होता है कि नींद के दौरान आपको साधारण सिरदर्द हो, लेकिन अगर बात की जाए माइग्रेन की, तो यह आमतौर पर नींद के दौरान ही शुरू होता है।

माइग्रेन के लक्षण

1 दृष्टि संबंधी परेशानियां होना (विजुअल डिस्टरबेंस)

2 बोलने में परेशानी होना

3 चक्कर आना या असंतुलित महसूस करना

4 जी मचलाना

5 उल्टी होना

6 चिड़चिड़ापन, गुस्सा होना

7 लो ब्लड प्रेशर

8 आवाज़ से परेशान होना

9 गर्दन में अकड़न होना

10 ज़्यादा प्यास लगना

11 बार-बार पेशाब आना

12 भूख लगना

13 कब्ज़ का होना

माइग्रेन के कारण माइग्रेन के दौरान इंसान के खून की नलियां (ब्लड वैसल्स) फैल जाती हैं और उसके पश्चात उनमें कुछ खास तरह के केमिकल्स का स्त्राव होता है। इस तरह के केमिकल्स तांत्रिका रेशों (नर्व फाइबर्स) की वजह से होने वाले दबाव के कारण उत्पन्न होते हैं। जब सिरदर्द की अनुभूति होती है और उस दौरान कोई आर्टरी या खून की नली फैल जाती है तो इससे तांत्रिका रेशों पर दबाव पड़ता है। इस दबाव के कारण केमिकल निकलते हैं जिस वजह से खून की नलियों में दर्द, सूजन और फैलाव होने लगता है। इन कारणों से इंसान को बहुत तेज़ सिर में दर्द होने लगता है।

याद रहें, इन कारणों से आपको माइग्रेन की समस्या हो सकती है।

1. टेंशन
2. तेज़ आवाज़
3. तेज़ रोशनी
4. तेज सुगंध
5. एलर्जी
6. धुआं
7. सोने में अनियमितता
8. एल्कोहोल का सेवन
9. हॉर्मोनल चेंज
10. बर्थ कंट्रोल पिल्स
11. अनियमित पीरियड्स
12. थकावट
13. दवाईयों का अत्यधिक सेवन

महादेव गोविंद रानाडे की जयंती

जस्टिस रानाडे के नाम के से प्रसिद्ध महादेव गोविंद रानाडे एक समाज सुधारक, भारतीय शिक्षाविद, न्यायविद, लेखक, अर्थशास्त्री और इतिहासकार होने के साथ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संस्थापक सदस्य थे। इतनी योग्यताओं के बाद भी वे धार्मिक और समाज सुधारक के रूप में ज्यादा प्रसिद्ध हुए। उन्होंने समाज के अनेक कुरीतियों को खत्म करने के लिए सार्थक प्रयास किए और हिंदू धार्मिक मान्यताओं को सुधारने में योगदान दिया।

भारत के स्वतंत्रता प्राप्ति के संघर्ष में बहुत से लोगों ने योगदान देने के साथ समाज सुधार जैसे काम भी किए हैं। उन्हें भारत देश और समाज के निर्माण के लिए ज्यादा जाना जाता है। महादेव गोविंद रानाडे जिन्हें जस्टिस रानाडे के नाम से जाना जाता है। उन्हीं में से एक थे। समाज और धर्म सुधार से लेकर देश में शिक्षा और उसके इतिहास के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए जस्टिस रानाडे को हमेशा ही याद किया जाता रहेगा। एक शांत और धैर्यशील आशावादी के रूप में प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी जस्टिस रानाडे की 16 जनवरी को पुण्यतिथि है।

पत्नी को भी किया शिक्षित

जस्टिस रानाडे का जन्म 18 जनवरी 1842 को महाराष्ट्र में नासिक के निफाड़ कस्बे के कट्टर चितपावन ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनका बचपन कोल्हापुर में बीता था। जबां उनके पिता मंत्री थे। उनकी पहली की मृत्यु के बाद उनके समाज सुधारवादी मित्र चाहते थे। कि वे विधवा विवाह करें, लेकिन रानाडे ने परिवार की इच्छाओं का ख्याल रखते हुए एक बालिका रामाबाई रानाडे से विवाह किया और उन्हें शिक्षित किया। रामाबाई ने पति की मृत्यु के बाद उनके कार्यों को आगे बढ़ाया।

उच्च शिक्षा हासिल की रानाडे की शुरुआती शिक्षा कोल्हापुर के मराठी स्कूल में हुई और बाद में उन्होंने अंग्रेजी माध्यम स्कूल में पढ़ाई की। इसके बाद 14 साल की उम्र में वे बम्बई के एल्फिस्टोन कॉलेज में पढ़ने चले गए। वे बॉम्बे यूनिवर्सिटी के पहले बैच के छात्र थे। 1962 में उन्होंने बीए और फिर चार साल बाद एलएलबी की डिग्री प्रथम श्रेणी में हासिल की।

ब्लड प्रेशर और डिप्रेशन सहित 10 बीमारियां दूर करती है नींबू की चाय जानिए बेशकीमती लाभ

सरल तरीका

नींबू की चाय बनाने के लिए आप गर्म पानी में बहुत कम चाय पत्ती डालें। उबालें, मिठास के लिए बहुत थोड़ी सी शकर भी डालें, पुदीना पत्ती, 2 काली मिर्च के दाने, 2 लौंग, अदरक कद्दूकस की हुई भी मिलाएं, इनसे स्वाद और सेहत दोनों मिलेंगे, अब एक कप में छान लीजिए, नींबू काटकर निचोड़े आप देखेंगे कि आपकी चाय का रंग बदल रहा है,इस रंगत को दोगुना करना है तो चुट्की भर पिंक सॉल्ट भी मिलाएं

नींबू की चाय का सेवन से आपके वजन को कंट्रोल करने में मदद करता है। यदि आप नींबू की चाय नियमित पीते हैं, तो आपको वजन नियंत्रित करने में भी मदद मिलेगी।

नींबू में विटामिन सी पाया जाता है, जो आपकी त्वचा के लिए फायदेमंद है। इसके नियमित सेवन से चेहरे पर चमक और मुंहासे की समस्या में राहत मिलती है।

नींबू की चाय में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण पाए जाते हैं। इसके नियमित सेवन से बीमारियों के उपचार में मदद मिलती है।

नींबू की चाय पीने पर आपको सर्दी-जुकाम से राहत मिलती है, साथ ही यह प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाती है।

ब्लड प्रेशर और डायबीटिज के लिए यह रामबाण दवा है अगर शकर न मिलाई जाए

यह चाय इम्यूनिटी बूस्टर है, मूड ठीक करती है और डिप्रेशन दूर करने में असरकारक है.

12 साल बाद ही क्यों लगता है महाकुंभ ? कैसे निर्धारित होती है इसकी तारीख ?

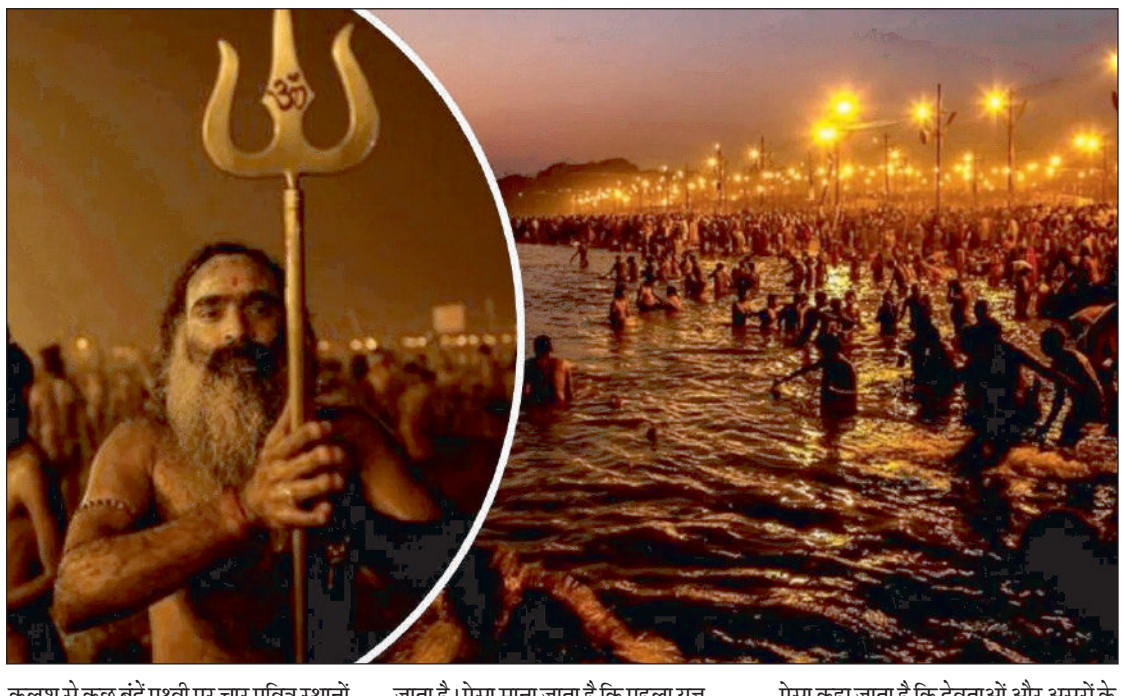

महाकुंभ मेले का हिंदू धर्म में बहुत ज्यादा महत्व है। इस बार इसका आयोजन 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हो रहा है। यह मेला दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक मेलों में से एक है जो 12 सालों में एक बार आयोजित किया जाता है।

जाने इससे जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातें महाकुंभ मेले का सनातन धर्म में बड़ा धार्मिक महत्व है, जो इस बार 13 जनवरी से 26 फरवरी, 2025 तक उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में लगने जा रहा है। यह मेला दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक मेलों में से एक है। इसमें लोग दूर-दूर से भाग लेने के लिए आते हैं। बता दें, महाकुंभ मेला 12 सालों में एक बार आयोजित किया जाता है। इस दौरान करोड़ों श्रद्धालु गंगा, यमुना और सरस्वती के पवित्र संगम तट पर स्नान करने के लिए आते हैं। कहा जाता है कि इसमें एक बार स्नान करने से भक्तों के सभी पापों का नाश हो जाता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

प्रयागराज के साथ इन स्थानों में लगता है महाकुंभ प्रयागराज का इतिहास प्राचीन काल से चला आ रहा है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, कुंभ मेले का संबंध समुद्र मंथन से है। कहते हैं कि देवताओं और असुरों ने मिलकर अमृत प्राप्त करने के लिए समुद्र मंथन किया था। तब जाकर अमृत का कलश प्राप्त हुआ था। ऐसा माना जाता है कि उस अमृत कलश से कुछ बूंदें पृथ्वी पर चार पवित्र स्थानों यानी प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक और उज्जैन में गिरी थीं। यही वजह है कि सिर्फ इन्हीं दिव्य स्थानों में कुंभ मेला लगता है।

यह भी है एक कारण शास्त्रों में प्रयागराज को तीर्थ राज या 'तीर्थ स्थलों का राजा' भी कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि पहला यज्ञ ब्रह्मा जी द्वारा यहीं किया गया था। महाभारत समेत विभिन्न पुराणों में इसे धार्मिक प्रथाओं के लिए जाना जाने वाला एक पवित्र स्थल माना गया है।

इसलिए 12 साल बाद लगता है महाकुंभ ऐसा कहा जाता है कि देवताओं और असुरों के बीच अमृत पाने को लेकर लगभग 12 दिनों तक लड़ाई चली थी। इसके साथ ही यह भी कहा जाता है कि देवताओं के बारह दिन मनुष्य के बारह सालों के समान होते हैं। यही वजह है कि12 साल बाद महाकुंभ लगता है।

अप्राकृतिक खान पान के अलावा भी अनेक रोगों उत्पत्ति के अनेक कारण है

रोगों के उत्पत्ति का कारण और निवारण है
हमेशा बैक्टिरिया, वायरस, मच्छरों का प्रकोप वात, पित्त, कफ का बिगड़ना आदि ही नही होता।
ईर्ष्या -द्वेष रोग का कारण है
छल -कपट रोग का कारण है
निराशा रोग का कारण है
निंदा रोग का बड़ा कारण है
अति क्रोध रोग का कारण है
अहंकार रोग का कारण है
जलन की भावना रोग का कारण है
असंतोष रोग का कारण है
हमेशा दुखी रहना रोग का कारण है
अनैतिक धन रोग का कारण है
स्वार्थ्य से भरा जीवन रोग का कारण है
औषधि हमेशा गोलियाँ ही नहीं होती..!!
प्यार औषधि है...
नींद भी औषधि है...
जल भी औषधि है...*
मिट्टी औषधि है
उपवास भी औषधि है...
सूर्य का प्रकाश भी औषधि है...
व्यायाम भी औषधि है...
हँसी भी औषधि है...
कृतज्ञता भी औषधि है...
ध्यान भी औषधि है...
दुआ औषधि है
क्षमा भी औषधि है...
परमार्थ भी अदभुद औषधि है
प्राकृतिक और कुदरती भोजन भी औषधि ही है..!!
संतोष भी औषधि है
सत्संग भी औषधि है
ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण महा औषधि है।

"भाजपा पूर्वांचल समाज को बड़े तिरस्कार की नजर से देखती है, उन्हें बांग्लादेशी और रोहिंग्या कह कर अपमानित करती है"

मुख्य संवाददाता सुषमा रानी

नई दिल्ली, आम आदमी पार्टी ने भाजपा द्वारा दिल्ली चुनाव में पूर्वांचल समाज के सिर्फ 5 लोगों को टिकट देने पर हमला बोला है। ''आप'' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि केवल आम आदमी पार्टी ही पूर्वांचल समाज की इज्जत और सम्मान करती है। इसलिए हमने दिल्ली चुनाव में पूर्वांचल समाज से आने वाले 12 लोगों को टिकट दिया है, लेकिन भाजपा ने सिर्फ 5 को टिकट दिया है। भाजपा पूर्वांचल समाज को बड़े ही तिरस्कार की नजर से देखती है और उन्हें बांग्लादेशी व रोहिंग्या कह कर अपमानित करती है। हमारी सरकार ने दिल्ली में रह रहे पूर्वांचल समाज के लिए ढेरों काम किया है, लेकिन पिछले 10 साल में भाजपा ने उनके लिए एक भी काम नहीं किया। जब भाजपा ने कोई काम ही नहीं किया तो पूर्वांचल समाज उसको वोट क्यों दे?

पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी के मन में पूर्वांचल समाज के लोगों के लिए बहुत इज्जत है। उत्तर प्रदेश और बिहार के हमारे पूर्वांचली भाई दिल्ली पढ़ने आते हैं या फिर रोजगार की तलाश में आते हैं। वह दिल्ली में इतने सालों से रह रहे हैं कि वह दिल्ली को ही अपना घर बना लेते हैं। मुझे बेहद दुख है कि भारत की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा पूर्वांचलियों को बड़ी तिरस्कार की निगाहों से देखती है। मैं भाजपा से पूछना चाहता हूं कि दिल्ली के अंदर पिछले 10 साल से उनकी सरकार चल रही है, उन्होंने इन 10 सालों में पूर्वांचल समाज के लोगों के लिए क्या काम किया है? भाजपा एक काम बता दे। मैं पूर्वांचल समाज के लिए किए गए अपने 10 काम गिना दूंगा, लेकिन भाजपा एक काम बता दे। पूर्वांचल समाज उन्हें क्यों अपना वोट दे?

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ने पूर्वांचल समाज के लिए कोई काम नहीं किया। साथ ही, उन्हें अपमानित करने की भी कोई कसर नहीं छोड़ी। हमारे पूर्वांचल समाज के भाई ऋतुराज झा को भाजपा के एक बड़े नेता ने राष्ट्रीय टीवी चैनल पर बहुत ही भद्दी और गंदी गाली दी। जब वह भाजपा का नेता बोल रहा था तो ऐसा लग रहा था कि उनके अंदर से वह गाली निकल रही है। ऐसा लग रहा था कि उनके अंदर पूरे पूर्वांचल समाज के लिए बहुत तिरस्कार है। यह इनके टिकट वितरण में भी साबित हो गया। आम आदमी पार्टी ने 12 पूर्वांचलियों को टिकट दिया और इन्होंने 5 पूर्वांचलियों को दिया। ऐसे में भाजपा को पूर्वांचल समाज क्यों वोट दे? ये पूर्वांचल समाज का अपमान और तिरस्कार करते हैं।

वहीं, आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि भाजपा ने अपनी पूरी लिस्ट जारी कर दी है और जो उनकी लिस्ट में शामिल उम्मीदवार शामिल हैं,

उसमें से उन्होंने सिर्फ 5 पूर्वांचलियों को टिकट दिया है। यह पूर्वांचल समाज का अपमान है। ये पूर्वांचली समाज को बांग्लादेशी और रोहिंग्या कहते हैं। उनके वोट कटवाते हैं। उन्हें सदन में गाली देते हैं। सड़क पर गाली देते हैं और अभी हमारे मैथिली ब्रह्माण समाज के पूर्वांचली विधायक ऋतुराज झा को राष्ट्रीय टीवी चैनल पर भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने गाली दी। उन्होंने ऐसी गाली दी जिसे मैं बोल भी नहीं सकता। उनकी इस गाली का जवाब पूर्वांचल समाज के लोग अपने वोट के ताकत से देंगे।

उन्होंने कहा कि अब दिल्ली के अंदर तस्वीर साफ हो गई है। एक तरफ भाजपा है जिसने पूर्वांचल को सिर्फ 5 लोगों को टिकट दी है। दूसरी तरफ अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी है जिसने पूर्वांचल के लोगों को 12 टिकट दी है। यह अरविंद केजरीवाल के मन में पूर्वांचल के लोगों के लिए सम्मान दिखाता है। अरविंद केजरीवाल ने कच्ची कॉलोनियों में रहने वाले हमारे यूपी, बिहार और झारखंड के लाखों भाइयों की जिंदगी में बदलाव लाने का काम किया है। कच्ची कॉलोनियों में 6800 किलोमीटर की सीवर पाइपलाइन बिछाने का काम किया। 10 हजार किलोमीटर की नई सड़क बनवाई। 4 हजार किलोमीटर की पानी की पाइपलाइन बिछाईं। बिजली, पानी, शिक्षा, इलाज और माताओं-बहनों के लिए बस की यात्रा फ्री की। अरविंद केजरीवाल ने उनकी जिंदगी की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने का काम किया। दूसरी तरफ, पूर्वांचल के गोपाल राय को प्रदेश अध्यक्ष और कैबिनेट का मंत्री बनाया। मुझे दो बार राज्यसभा में भेजा। इस चुनाव के लिए पूर्वांचल के लोगों को 12 टिकट दी।

संजय सिंह ने कहा कि इस बार पूर्वांचली भाइयों को बांग्लादेशी और रोहिंग्या कहकर अपमानित करने वाले, उनके वोट कटवाने वाले और राष्ट्रीय टीवी चैनल पर मैथिली ब्रह्माण समाज के पूर्वांचली विधायक ऋतुराज झा को गाली देने वाली पार्टी को दिल्ली में रहने वाले लाखों पूर्वांचली भाई अपने वोट की ताकत से जवाब देंगे।

आयुष्मान भारत योजना देश का सबसे बड़ा घोटाला, सुप्रीम कोर्ट ने भी की पुष्टि', केंद्र पर केजरीवाल ने साधा निशाना

आयुष्मान भारत योजना को देश का सबसे बड़ा घोटाला बताते हुए अरविंद केजरीवाल ने केंद्र पर निशाना साधा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी दिल्ली सरकार को इस योजना को लागू करने के लिए केंद्र के साथ समझौता करने के आदेश पर रोक लगा दी है। केजरीवाल ने कहा कि जब केंद्र सरकार बदलेगी और इन घोटालों की जांच होगी तब पता चलेगा कि यह कितना बड़ा घोटाला था।

नई दिल्ली। आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना को देश का सबसे बड़ा घोटाला बताया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को राजधानी में इसे लागू करने के लिए केंद्र के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए कहने वाले उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी थी।

पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान केजरीवाल ने इस योजना को लेकर केंद्र पर तीखा हमला किया। केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि मुझे खुशी है कि सुप्रीम कोर्ट ने पुष्टि की है कि यह एक फर्जी योजना है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत देश का सबसे बड़ा घोटाला है। जब केंद्र सरकार बदलेगी और इन घोटालों की जांच होगी, तब लोगों को पता चलेगा कि आयुष्मान भारत वास्तव में कितना बड़ा घोटाला था।

केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच टकराव : इससे पहले दिन में शीर्ष अदालत ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी थी, जिसमें आप सरकार को पीएम-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) को लागू करने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने को कहा गया था। बता दें कि दिल्ली सरकार राजधानी में आयुष्मान भारत योजना के कार्यान्वयन को लेकर केंद्र के साथ टकराव में रही है, जिसे 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी और अरविन्द केजरीवाल दोनो ने नूरा कुश्ती करके दिल्ली के हितो को फुटबाल बना दिया- पवन खेड़ा

सुषमा रानी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया व पब्लिसिटी विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनावों में दिल्ली की जनता 10 साल पहले की शीला दीक्षित वाली सरकार की दिल्ली और 11 वर्षों के भाजपा और आम आदमी पार्टी के कुशासन, भ्रष्टाचार की दिल्ली की तुलना करके ही दिल्ली के भविष्य का फैसला करें क्योंकि सपनों की नगरी दिल्ली में अपने सपने पूरे करने अलग अलग राज्यों से लोग अपने भविष्य को उज्जवल बनाने आते है। पारदर्शी, सुशासन, दिल्ली के विकास, अपने अधिकारों और भविष्य को संवारने के लिए दिल्ली की जनता 5 फरवरी को कांग्रेस को वोट देकर दिल्ली में प्रयोग की राजनीति को विराम लगाऐगी।

पवन खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस के एक समर्पित क्यूआर कोड लॉन्च किया है जिसको स्केन करने पर दिल्ली वासी वेबसाईट पर जाकर कांग्रेस की पांच गारंटी के लिए संबंधित फॉर्म में अपना नाम दर्ज करा सकेंगे।

संवाददाता सम्मेलन में पवन खेड़ा के साथ मीडिया कॉआर्डिनेटर अभय दूबे, आस्मा तस्लीम, रश्मि सिंह मिगलानी मौजूद थीं।

उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में अरविन्द केजरीवाल और भाजपा ने वादा किया था कि हम दिल्ली के हर मर्ज की दवा देंगे, लेकिन

शराब घोटाला, शीश महल और राजमहल जैसे भ्रष्टाचार किया और अगर बाहर निकलकर सड़कों, पार्किंग, नशे, सुरक्षा, स्वास्थ्य, प्रदूषण, गंदगी को देखें तो दोनो ने राजधनी को खंडहर बना दिया है। 2013-2014 में जनता को धोखा देकर सत्ता में आए नरेन्द्र मोदी जी और अरविन्द केजरीवाल जी ने जनता के लिए कुछ करने की जगह दोनो ने नूरा कुश्ती करके दिल्ली को फुटबाल बना दिया, जिसको दिल्ली की जनता अब बर्दाश्त नही करेगी।

खेड़ा ने कहा कि दिल्ली की जनता अब शीला दीक्षित जी के 15 वर्षों के शासन को याद कर रही है जिसमें कांग्रेस ने जनता से किए उस हर वायदे को पूरा किया था, जो वोट लेने से पहले कांग्रेस पार्टी ने किए थे, क्योंकि कांग्रेस एक संवदेनशील पार्टी है, जनता के भरोसे के साथ कभी धोखा नही करती। कांग्रेस दिल्ली की हर जरुरत को पूरा करेगी। कांग्रेस पार्टी दिल्ली की जनता से जो गारंटियां के रुप में जो वादे किए है उन्हें पूरा करेगी, क्योंकि हमने कर्नाटक, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश में और झारखंड में गठबंधन की सरकारों ने जनता से जो वादे किए थे उन्हें पूरा कर रही है।

उन्होंने कहा कि 8 फरवरी को दिल्ली में बहुमत के साथ सरकार बनाने के बाद हम पहली केबिनेट बैठक में दिल्ली की जनता के लिए अपनी गारंटियों को निभाने के लिए आदेश पास करेंगे। खेड़ा ने कहा कि प्यारी दीदी योजना के अंतर्गत कांग्रेस हर महिला को 2500 रुपये प्रतिमाह देगी, दिल्ली की माता बहनों के घर के कुछ आर्थिक बोझ को कांग्रेस कम करेगी। जीवन रक्षा योजना के तहत दिल्ली के हर नागरिक को स्वास्थ्य बीमा के तहत 25 लाख रुपये तक मुफ्त इलाज की व्यवस्था करेंगे और युवा उड़ान योजना के तहत कांग्रेस सरकार बनाने के बाद शिक्षित युवा बेरोजगार के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाकर उन्हें दिल्ली की कम्पनियों, औद्योगिक यूनिटों व अन्य क्षेत्रों में पहली नौकरी पक्की करके अप्रैंटिसशिप के तहत एक वर्ष तक 8500 रुपये देंगे। शिक्षित युवा अपनी कार्यकुशलता का अनुभव लेने नौकरी तो कम्पनियों में करेगा लेकिन 8500 का वहन कांग्रेस की दिल्ली सरकार करेगी।

उन्होंने कहा कि महंगाई से मुक्ति की गारंटी के तहत दिल्ली वालों को 500 रुपये प्रति रसोई गैस सिलेंडर देंगे और हर महीने राशन की किट देंगे जिसमें 5 किलो चावल, 2 किलो चीनी, 1 लीटर खाने का तेल, 6 किलो दाले और 250 ग्राम चाय पत्ती होगी और बिजली उपभोक्ताओं को राहत देकर 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने का गारंटी भी कांग्रेस पार्टी देगी। 300 यूनिट की छूट में पूरी पारदशिता लाने के लिए खातों में डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर देंगे। उन्होंने कहा कि हम अरविन्द केजरीवाल की तरह दिल्लीवासियों को धोखा नही देंगे।

खेड़ा ने कहा कि दिल्ली की जनता के पास मौका है 2013-2104 में धोखा देने वालों से मुक्ति पाने का, भरोसे का प्रतीक कांग्रेस को पूर्ण बहुमत देकर 5 फरवरी को अपनी उम्मीदों को पूरा करने का। उन्होंने कहा कि हम 8 फरवरी को दिल्ली में जनता के भरोसे की सरकार बनाने जा रहे है। हम दिल्ली के विकास को वापस दिलाएंगे, दिल्ली को भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलाएंगे, पारदर्शी प्रशासन देकर दिल्ली के युवाओं, छात्रों के लिए जहां नए अवसर सृजित करेंगे वहीं महिलाओं को घर और बाहर आर्थिक रुप से सम्पन्न बनाकर उनकी सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए काम करेंगे।

सलमान खान के सामने रवि किशन बॉलिंग करेंगे सीसीएल में :मनोज तिवारी

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

मुख्य संवाददाता। सीसीएल का 11 सीजन दिल्ली में होने जा रहा है फरवरी में शुरू होने वाला सीसीएल के कई मैच दिल्ली में होंगे यह जानकारी मुंबई हीरोज टीम के ओनर सोहेल खान ने दी है दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सोहेल खान के अलावा मशहूर क्रिकेटर युवराज भी मौजूद थे जो सीसीएल का हौसला बढ़ाने के लिए आए थे इसके अलावा बिहार दबंग के मनोज तिवारी रवि किशन सीसीएल के ओनर विष्णु इंदौरी

सीसीएल के खिलाड़ी एवं अभिनेता साकिब सलीम, समीर कोचर जॉर्डी पटेल, आदिल जगमगिया, श्याम सुंदर और अब्बास मुनि आदि लोग भी मौजूद थे इस अवसर पर मनोज तिवारी मुंबई हीरो के ओनर सोहेल से कहा कि आप अपने भाई सलमान खान को भी इस बार सीसीएल में खेलने का मौका दीजिए इस पर सोहेल ने कहा कि वह मेरे भाई हैं और मैं उन्हें बतौर खिलाड़ी आपकी टीम को कैसे दे सकता हूं

इस पर मनोज तिवारी ने हंसते हुए कहा कोई बात नहीं आप अपनी टीम से ही खेलाए लेकिन सलमान को इस बार खेलने के लिए जरूर बोलिए अगर आपकी टीम से सलमान खान खेलेंगे तो मैं अपनी टीम से रवि किशन को बॉलिंग पर उतार दूंगा इसी तरह के खुशनुमा माहौल में सीसीएल की तैयारी के बारे में मीडिया को बताया गया कौन कितने दिनों से कितनी प्रैक्टिस कर रहा है और इस बार हर खिलाड़ी ने अपने जीत का दाव ढोका।

राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार मिलना हम सभी के लिए गर्व और प्रेरणा से भरा है : डॉ. पीयूष जैन

सुषमा रानी

दिल्ली: नई दिल्ली में एक ऐतिहासिक क्षण ने शारीरिक शिक्षा और खेल जगत को गर्व और प्रेरणा से भर दिया, जब फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पेफी) के राष्ट्रीय सचिव, डॉ. पीयूष जैन को प्रतिष्ठित "राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। यह सम्मान भारत सरकार द्वारा उन व्यक्तियों और संगठनों को दिया जाता है जो खेलों को प्रोत्साहन देने में उल्लेखनीय योगदान देते हैं।राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस गरिमामय समारोह में महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने डॉ. पीयूष जैन को यह पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने पेफी के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि यह संगठन खेलों को प्रोत्साहन देने और शारीरिक शिक्षा के महत्व को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यह पुरस्कार केवल डॉ. पीयूष जैन का ही नहीं, बल्कि पूरे शारीरिक शिक्षा और खेल समुदाय का सम्मान है।

डॉ. जैन ने इस उपलब्धि को उन सभी शिक्षकों, छात्रों और समर्थकों को समर्पित किया जिन्होंने खेलों और शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में अथक प्रयास किए हैं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह पुरस्कार उन सभी के सहयोग और समर्पण का प्रमाण है जो भारत को खेलों में वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने इस पल को भारतीय खेल जगत के लिए प्रेरणादायक बताया और सभी से आग्रह किया कि वे खेलों के माध्यम से देश को गौरवान्वित करने के लिए मिलकर काम करें।पेफी के इस सम्मान ने शारीरिक शिक्षा और खेलों के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक नई ऊर्जा का संचार किया है। यह पुरस्कार भारत को खेल महाशक्ति बनाने की दिशा में उठाए गए ठोस कदमों का प्रतीक है।

डॉ. जैन ने इस उपलब्धि को न केवल व्यक्तिगत गौरव का विषय बताया, बल्कि इसे देश के हर युवा के लिए प्रेरणा स्रोत माना।

समारोह के बाद डॉ. जैन ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि यह क्षण उनके जीवन का सबसे गौरवशाली क्षण है। उन्होंने खेलों के माध्यम से स्वस्थ और सशक्त समाज बनाने के अपने मिशन को दोहराया और कहा कि यह सम्मान उन्हें और उनके संगठन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए प्रेरित करेगा। इस पुरस्कार के साथ, पेफी और उसके नेतृत्व में कार्य कर रहे सभी सदस्य भारत में खेल और शारीरिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए नए उत्साह और जोश के साथ काम करने के लिए तैयार हैं।

लाल सिंह आर्य ने देव तुल्य भाजपा कार्यकर्ताओ शपथ दिलाते हुए युद्ध स्तर पर चुनाव में कूदने को कहा

सुषमा रानी

नई दिल्ली। भाजपा *राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा श्री लाल सिंह आर्य जी आज *मादीपुर, विधानसभा दिल्ली से कैलाश *गंगवाल के रोड शो और चुनाव कार्यालय के उद्घाटन समझ में बोलते हुए कार्यकर्ताओं को शपथ ले जाते हुए कहा कि वह युद्ध स्तर पर कांग्रेस व आम आदमी पार्टी को जनता के सामने बेनकाब करते हुए भारतीय जनता पार्टी को उसके प्रत्याशी को विजई बनाएं*

इस मौके पर राजस्थान से आई भाजपा नेत्री प्रवासी रिंकी वर्मा. हरियाणा सरकार के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी सुनीता कांगड़ा जी भी उपस्थित होते हुए *नामांकन में *शामिल* *हुए उन्होंने आज चुनावी कार्यक्रम में** *राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा केसरी लाल सिंह आर्य ने* *पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि हम * *बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के संविधान भगवान राम में आस्था रखते हैं हम तो अपने प्रत्येक* *भाजपा कार्यकर्ता को भी देवतुल्य मानते हैं और मैं अपने उन्हीं देवतुल्य कार्यकर्ताओं को कहना चाहता हूं कि युद्ध स्तर पर* *चुनाव मैदान में कूद जाएं और अपने-अपने प्रत्याशियों को चुनाव भारी मतों से*

जीताकर लाए और दिल्ली को दिल्ली वासियों को आपदा से बचाए क्योंकि इस आपदा ने पूरी दिल्ली को तहस-नहस कर दिया है *इस नामांकन पत्र के दाखिल करते समय भारतीय जनता पार्टी के सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित होकर रैली में शामिल हुए*

लाल सिंह आर्य ने कहा कि क्योंकि हमारा सबसे बड़ा प्रत्याशी कमल का निशान है और हमें कमल के प्रत्याशी और कमल के निशान पर ज्यादा से ज्यादा वोट डलवा कर अपने प्रत्याशी को विजयश्री दिलाते हुए भाजपा की सरकार बनानी है*

लाल सिंह आर्य ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है यहां कार्यकर्ताओं को मान व सम्मान दिया जाता है और प्रत्येक भाजपा देव तुल्य कार्यकर्ता को संस्कार और अपने साथी भाजपा कार्यकर्ताओं का सम्मान करना सिखाया जाता है ऐसा किसी अन्य पार्टी में नहीं किया जाता अन्य पार्टी में कार्यकर्ताओं का अपमान होता है और भाजपा में सम्मान किया जाता है।

मेरी कोशिश रहती है कि सर्व समाज की बेटी बनकर देश की प्रगति में भागीदार बनूँ : सांसद इक़रा चौधरी

सुषमा रानी

नईदिल्ली। फेस ग्रुप और भाईचारा समिति के संयुक्त तत्वावधान में फेस राष्ट्रीय गौरव अवार्ड 2025 का आयोजन दिल्ली के सिविल लाईन इलाके में किया गया। फेस ग्रुप के चेयरमैन डॉक्टर मुश्ताक अंसारी और फैसल मेहरबान के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में पॉलिटिकल स्टार कैराना लोकसभा की सांसद इक़रा चौधरी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और गाजीपुर मुर्गा मछली मंडी के चेयरमैन भाई मेहरबान कुरैशी ने इस अवॉर्ड कार्यक्रम की अध्यक्षता की, इसके अलावा विश्व प्रसिद्ध शायरा डॉक्टर अना देहलवी, हाशमी ग्रुप के डायरेक्टर डॉक्टर अयाज़ हाशमी एडवोकेट, एफ़ एम एस इंफ्राटेक के डायरेक्टर साजिद अहमद, नज़ीर फूड्स के डायरेक्टर फरमान कुरैशी, ऑल इंडिया इमाम फाउंडेशन के चेयरमैन मौलवी आरिफ क़ासमी, सर्वो स्टेप पावर के डायरेक्टर मौहम्मद आलम, सोनम बेकर्स के सीएमडी हाजी रियाज़ुद्दीन अंसारी, अबूज़र क़ुरैशी आदि गणमान्य व्यक्ति विशिष्ट अतिथि की हैसियत से मौजूद रहे।

इस मौक़े पर इक़रा हसन ने कहा कि मुसलमान की आवाज़ हिंदू भाई उठाए और हिंदू भाई परेशान हो तो मुसलमान आगे आकर उसकी मदद करे, यही असल

भारत है लेकिन आज जो नफ़रत का माहौल देश में देखने को मिल रहा है उसको इस तरह की महफ़िलों से पराजित किया जा सकता है जहाँ सभी धर्म सम्प्रदाय के लोग साथ मिलकर बैठे हैं। उन्होंने कहा अपनी कमियाँ तलाशकर हम देश को तरक्क़ी की तरफ़ ले जा सकते हैं । इक़रा हसन ने आगे बताया कि कैराना लोक सभा में सिर्फ़ 30 प्रतिशत मुस्लिम है मुझे गर्व है अपने वोटर्स पर जिन्होंने नफ़रत को लताड़कर मुझे पार्लियामेंट भेजा और मेरी यही कोशिश रहती है कि मैं सर्व समाज की बेटी बनकर देश की प्रगति में भागीदार बनूँ।

ग्रुप के प्रबंधक डॉक्टर बिलाल अंसारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम में एजूकेशन, हैल्थ, सोशल, फैशन, आर्ट एण्ड कल्चर आदि फील्ड से इक़रा चौधरी, डॉक्टर शौकत एच एच मुफ़्ती, डॉक्टर सैयद अहमद ख़ान, डॉक्टर शबिस्ताँ ग़फ़्फ़ार व डॉक्टर कमरूल हक़ चुनिंदा पाँच लोगों को अवार्ड से अवॉर्ड से सम्मानित किया गया तथा चालिस से अधिक प्रमुख लोगों को गेस्ट ऑफ ऑनर भी दिया गया। मंच का संचालन दानिश अय्यूबी व उज़मा अंसारी द्वारा किया गया।

इस मौक़े पर सैयद वाजिद अली, सफ़दर ख़ान, मुस्तक़ीम ख़ान, अंजुम जाफरी, सादिक़ शेरवानी, जावेद रहमानी, फ़ज़ील अहमद, गुफ़रान अफ़रीदी, मुजाहिद अख़्तर, मुस्तफ़ा क़ुरैशी, सलीम मलिक, मनोज शर्मा, जावेद अनवर समानी, डॉक्टर खालदा हनीफ़, डॉक्टर अंज़ारूल हक़, डॉक्टर कमरुल हक़, अरविंद वत्स, ललित गर्ग, संजय कामवाल, मोहम्मद इस्तियाक अंसारी, मोहम्मद अहमद, पवन सोबती, मनीषा यादव, आदि समाज के ज़िम्मेदार लोगों का विशेष सम्मान किया गया ।

कार्यक्रम की सफलता में शबाना अज़ीम, नरेंद्र सिंह, जैनब अंसारी, ममता दिलावरी, हुमा ख़ान, चाँदनी व बी एम गुप्ता आदि का विशेष योगदान रहा।

गाजियाबाद DM ने बैंक अधिकारियों को किया बंद, रजाई-गद्दे भी मंगवाए; चार घंटे में निपटा डाले...

गाजियाबाद के डीएम इन्द्र विक्रम सिंह ने बैंक अधिकारियों की लापरवाही से लंबित ऋण मामलों पर सख्त कार्रवाई की। उन्होंने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना की समीक्षा बैठक में 98 लंबित मामलों का पता चलने पर बैंक अधिकारियों को सभागार में बंद कर दिया। डीएम ने कहा कि जब तक सभी लंबित मामलों का निस्तारण नहीं हो जाता तब तक कोई भी अधिकारी घर नहीं जाएगा।

गाजियाबाद। विकास भवन स्थित सभागार में बृहस्पतिवार शाम चार बजे मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना की डीएम प्रगति समीक्षा बैठक ले रहे थे। जैसे ही उनको लोन से जुड़े 98 मामले लंबित होने का पता चला तो वे खफा हो गए और उन्होंने बैठक में आए बैंक अधिकारियों को सभागार में बंद करने का आदेश दे दिए।

शर्त यह रख दी कि जब तक लंबित मामलों का निस्तारण नहीं हो जाता है, तब तक कोई भी बैंक अधिकारी यहां से वापस नहीं जाएगा। यदि रात तक लंबित प्रकरण निस्तारित न हो सके तो यहीं पर रुककर बैंक अधिकारी मामलों का निस्तारण करेंगे, उनके लिए रजाई और गद्दे भी मंगवा लिए। डीएम की सख्ती के बाद 77 प्रकरणों का निस्तारण रात आठ बजे तक ही कर दिया गया।

दो हजार लोगों को लोन देने का था लक्ष्य

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के तहत 31 मार्च तक दो हजार लोगों को उद्यम स्थापित करने के लिए लोन दिलाना है। दो हजार में से 500 लोगों को यूपी स्थापना दिवस के अवसर पर 24 जनवरी का मुख्यमंत्री के हाथों लोन दिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना की बैठक

जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने आठ जनवरी को इस योजना की प्रगति समीक्षा बैठक विकास भवन की, तब पता चला कि लगभग सौ आवेदन बैंक स्तर पर लंबित हैं। उन्होंने बैंक अधिकारियों से पूछा कि लंबित मामलों का निस्तारण कब तक कर दिया जाएगा तब सात दिन का समय मांगा गया। जिलाधिकारी ने सात दिन का समय दिया और बृहस्पतिवार को शाम चार बजे दोबारा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना की बैठक बुलाई।

98 मामले अभी भी लंबित

बैठक में उन्होंने नौ जनवरी तक आवेदन किए गए मामलों का स्टेटस जाना तब पता चला कि 98 मामले अभी भी लंबित हैं। इसके बाद जिलाधिकारी ने सख्ती करते हुए कहा कि लंबित मामलों का निस्तारण आज ही करना होगा, उन्होंने सभागार के दरवाजे बंद करवा दिए।

जिलाधिकारी के जाने के बाद रजाई, गद्दे मंगा लिए गए

सीडीओ अभिनव गोपाल से कहा कि यदि रात नौ बजे तक लंबित मामलों का शत प्रतिशत निस्तारण नहीं हुआ तो संबंधित बैंक के अधिकारी सभागार में ही रात में रहकर कार्य करेंगे। बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए रजाई, गद्दों की व्यवस्था कर दी जाए। जिलाधिकारी के जाने के बाद रजाई, गद्दे मंगा लिए गए। ज्यादातर लंबित प्रकरण सर्व यूपी ग्रामीण बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, एक्सिस बैंक और एसबीआई के थे।

लंबित प्रकरणों का निस्तारण करते नजर आए

सख्ती का असर यह रहा कि रात आठ बजे तक 98 में से 56 मामलों में लोन पास कर दिया गया, 21 आवेदन निरस्त किए गए। 21 आवेदन एसबीआइ बैंक से संबंधित लंबित बचे, जिनके निस्तारण के लिए बैंक के एजीएम राहुल झा को विकास भवन से गाड़ी भेजकर बैंक से बुलाया गया, वे सभागार में रात साढे.आठ बजे तक रुककर लंबित प्रकरणों का निस्तारण करते नजर आए।

नोएडा से लापता हुए चारों छात्र मिले, घर जाने से किया मना; भागने की असली वजह आई सामने

परिवहन विशेष न्यूज

ग्रेटर नोएडा। ईकोटेक तीन कोतवाली क्षेत्र स्थित बालक इंटर कॉलेज से लापता चारों छात्रों को पुलिस ने सकुशल पकड़ लिया है। एक छात्र को पुलिस से शुक्रवार की सुबह पकड़ा था। उससे पूछताछ करने पर तीन अन्य फरार छात्रों तक पुलिस ने पहुंचने में कामयाबी हासिल की।

हालांकि खबर लिखे जाने तक छात्रों को दिल्ली से ग्रेटर नोएडा लाया नहीं जा सका है। पुलिस जांच में सामने आया है कि योजना बनाकर चारों छात्र ग्वालियर भाग गए थे। वहां से दिल्ली पहुंचे और कहीं और जाने की योजना बनाई। पुलिस को मिले एक छात्र ने वापस घर चलने की बात कही जिसे तीन अन्य छात्रों ने नकार दिया।

दिल्ली स्टेशन पर उसे अकेला छोड़कर तीनों छात्र रवाना

छात्रों ने पिटाई की आशंका जताते हुए घर आने से इनकार कर दिया। छात्र से पुलिस की पूछताछ में सामने आया है कि दिल्ली स्टेशन पर उसे अकेला छोड़कर तीनों छात्र रवाना हो गए। छात्रों ने उसे भी नहीं बताया कि कहां जा रहे हैं।

वहीं तीनों के जाने के बाद चौथे छात्र ने अपने स्वजन को दिल्ली में होने की सूचना दे दी। स्वजन की सूचना पर पुलिस भी दिल्ली के लिए रवाना हो गई। और छात्र के साथ देर शाम को अन्य तीनों छात्रों को भी सकुशल बरामद कर लिया।

छात्रों के गायब होने के बाद से स्वजन थे परेशान

ज्ञात हो कि बुधवार की सुबह चारों छात्र स्कूल से फरार हो गए थे। काफी तलाश करने के बाद भी जब बच्चों का पता नहीं चला तो स्कूल प्रबंधन पुलिस के साथ ही स्वजन को मामले की जानकारी दी। छात्रों के गायब होने के बाद से स्वजन परेशान थे।

पीड़ित स्वजन स्कूल के साथ कोतवाली पुलिस के चक्कर काट रहे थे। स्वजनों को बच्चों के साथ कोई अनहोनी की आशंका थी, लेकिन चारों छात्रों के मिलने के बाद पीड़ित स्वजन के साथ-साथ स्कूल प्रबंधन ने राहत की सांस ली है।

स्वजन ने उठाया स्कूल की सुरक्षा पर सवाल

छात्रों के लापता हो जाने के बाद लगातार स्कूल में अन्य स्वजन अपने बच्चों से मिलने आ रहे हैं। वे स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठा रहे हैं।

स्वजन का कहना है कि सीबीएससी के नियमों के अनुसार स्कूल में सीसीटीवी कैमरे होना अनिवार्य है। उसके बावजूद स्कूल में अव्यवस्थाओं का आलम है। स्कूल में सीसीटीवी कैमरे तो दूर सुरक्षा गार्डों की पर्याप्त संख्या नहीं है।

चिंटेल्स पैराडिसो सोसायटी के तीन टावरों को खाली कराने का फैसला टला, स्ट्रक्चरल ऑडिट कमेटी लेगी अंतिम निर्णय

परिवहन विशेष न्यूज

चिंटेल्स पैराडिसो सोसायटी के टावर ए बी और सी को खाली कराने का फैसला फिलहाल टल गया है। सोसायटी के निवासियों और आरडब्ल्यूए की आपत्तियां सुनने के बाद ही इन टावरों को खाली कराने पर फैसला लिया जाएगा। बैठक में आरडब्ल्यूए ने कहा कि बिल्डर फ्लैट मालिकों से एग्रीमेंट करने का दबाव बना रहा है। जो लोग इस पर हस्ताक्षर नहीं कर रहे उन्हें किराया नहीं दिया जा रहा।

नया गुरुग्राम। सेक्टर 109 स्थित चिंटेल्स पैराडिसो सोसायटी के टावर ए, बी और सी टावर को खाली कराने का फैसला फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। इन टावरों को खाली करवाने से पहले सोसायटी के निवासियों और आरडब्ल्यूए की आपत्तियां लेने का निर्णय लिया गया है। इसे लेकर गुरुवार शाम को उपायुक्त अजय कुमार की अध्यक्षता में चिंटेल्स कमेटी की बैठक हुई थी।

इसके साथ ही बिल्डर प्रबंधन से जवाब तलब किया जाएगा। इसके बाद स्ट्रक्चरल ऑडिट कमेटी द्वारा इन टावरों को खाली कराने पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। बैठक में आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट ने सोसायटी के दोबारा निर्माण का आदेश दिया है, लेकिन बिल्डर फ्लैट मालिकों से एग्रीमेंट करने का दबाव बना रहा है। जो लोग इस करार पर हस्ताक्षर नहीं कर रहे उन्हें फ्लैट खाली करने के बावजूद किराया नहीं दिया जा रहा। करीब 40 परिवार इस कारण आर्थिक परेशानियों का सामना कर रहे हैं।

आरडब्ल्यूए ने रखीं ये मांगें

ए और बी टावर को प्रीमियम टावर घोषित किया जाए

इन दोनों टावरों पर बिल्डर की 1000 रुपये प्रति वर्ग फीट निर्माण राशि की शर्त हटाई जाए

ए, बी और सी टावर का मौजूदा बाजार दर पर दोबारा मूल्यांकन किया जाए

कानूनी आदेशों का हवाला

बैठक में आरडब्ल्यूए ने दिल्ली, चेन्नई और गुरुग्राम की अदालतों के आदेशों की प्रतियां भी साझा कीं। इसमें बताया गया कि सेक्टर 37 डी स्थित एनबीसीसी ग्रीन व्यू सोसायटी के मामले में हरेरा ने आदेश दिया कि खाली फ्लैटों के किराए का भुगतान किया जाए। वहीं चेन्नई अदालत ने कंडम घोषित सोसायटी के पुनर्निर्माण में लाभ का हिस्सा निवासियों को देने का आदेश दिया। दिल्ली सिग्नेचर व्यू अपार्टमेंट मामले में भी फ्लैट खाली कराने के बाद से किराए के भुगतान के आदेश दिए गए।

आगे की प्रक्रिया

अधिकारियों ने आरडब्ल्यूए से आपत्तियां लिखित में जमा करने को कहा है। इन आपत्तियों पर बिल्डर से जवाब मांगा जाएगा। इसके बाद गठित कमेटी इन टावरों को खाली कराने पर निर्णय लेगी। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त हितेश कुमार मीणा, पीडब्ल्यूडी बीएंडआर के अधीक्षण अभियंता प्रवीण चौधरी, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग के डीटीपीई अमित मधोलिया और सोसायटी आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष राकेश हुड्डा सहित अन्य सदस्य मौजूद थे। चिंटल इंडिया लिमिटेड की ओर से सीनियर वाइस प्रेसिडेंट जेएन यादव शामिल रहे।

सैक्टर 56 आशियाना अपार्टमेंट फरीदाबाद हरियाणा में अंतरास्ट्रीय सामाजिक ट्रस्ट द्वारा कंबल वितरण का आयोजन किया

परिवहन विशेष न्यूज

अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट के संस्थापक डॉ हृदयेश कुमार ने फिर से साबित कर दिया है कि वे हमेशा ही समाज हित में अनेक प्रकार से सबसे पहले आते हैं, अभी कड़ाके की सर्दी हो रही है गरीब लोग बहुत ही परेशान हैं 10/12 लोग कई दिनों से ट्रस्ट की टीम को अपनी सर्दी की बातें बता रहे थे टीम ने सभी लोगों की बातें सुनते हुए उनके लिए कंबल कि व्यस्था कराई गई इसमें डॉ हृदयेश कुमार ने ठंड से बचाव के लिए लोगों को जागरूक भी किया इस मौके पर लोगों को जहां ठंड के मौसम में बचाव के प्रति सचेत किया गया, वहीं गरीबों, असहायों, निराश्रितों एवं अन्य जरूरतमंदों में कंबल का वितरण किया गया। जिससे ठंड के मौसम में वे लोग खुद का बचाव कर सकें। कार्यक्रम में आगे भी इस प्रकार के आयोजन करने और दूसरे लोगों से भी इस तरह की सहायता हेतु आगे आने के लिए आह्वान किया गया। कार्यक्रम के दौरान 73 लोगों को कंबल दिया गया।

करीब 65 लोग अभी रह गए हैं इनको भी जल्दी से जल्दी कंबल दे दिए जाएंगे ये हमारा नेताओं वाला बादा नहीं है ये अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट का वादा है और कहा कि गरीबों की सेवा से बड़ी कोई भी सेवा नहीं है कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ एमपी सिंह ने कहा कि गरीबों की सेवा पुनीत कार्य है।

ये हमारा सौभाग्य है कि हमें आप की सेवा के लिए भगवान से प्रेरणा मिली है। आगे इस तरह का कार्यक्रम में हर क्षेत्र में भी आयोजित किया जाएंगे। हर साल वे इस प्रकार के आयोजन कर रहे हैं। जिससे ठंड के मौसम में गरीबों को कुछ हद तक बचाया जा सके। ऐसे गरीब जिनके पास गर्म कपड़े नहीं हैं, उनके लिए ठंड का मौसम आफत बन जाता है। इस तरह के कार्य में सभी को आगे आना चाहिए

ट्रस्ट की सचिव विमलेश देवी ने कहा कि इस तरह के पुनीत कार्य करने से आत्म संतुष्टि मिलती है, ऐसे में हर धनमान व्यक्ति को अपने हैसियत के हिसाब से आगे आना चाहिए, इससे बड़ी सेवा कुछ नहीं हो सकती। ये आयोजन वास्तव में सराहनीय है। जो भी संपन्न लोग हैं, उन्हें इस तरह का प्रोग्राम करना चाहिए, जिससे कुछ हद तक गरीबों की मदद हो सके और उन्हें ठंड से बचाया जा सके।

सतपाल सिंह ने कहा कि आप अगर किसी तरह की सेवा करना चाहते हैं तो अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट के पास 12A और 80G भी उपलब्ध है अपने लिए तो सभी जीते हैं असली जिंदगी तो सेवा करने में ही है

कंबल वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ एमपी सिंह, सुबोध कुमार साह, सुनील कुमार जांगड़ा, सतपाल सिंह, वेदवीर, नीरज कुमार, शिव शंकर राय, सुष्मिता भौमिक, प्रियंका और हरिओम सहित बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी रही।

तीन तिगाड़ा काम बिगाड़ा - आओ मन को सकारात्मक सोच में ढालें

वर्तमान आधुनिक प्रौद्योगिकी डिजिटल युग में अंधविश्वासों गलतफहमियों से दूर, सकारात्मक सोच रखना सफ़लता की कुंजी है

जीवन में हम जैसा सोचते हैं, वैसा हमारा मन हो जाता है,जो सशक्त और शक्तिशाली ऊर्जा का रूप है, इसमें विश्वास आशा और सुंदर विचारों को रखें – एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ में भारत मान्यताओं कहावतों, पुराणों पंक्तियों, धार्मिक गाथाओं बलि रीति रिवाजों अंकगणित के अंकों सहित अनेक सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव पर आदि अनादि काल से चलता आ रहा है। पौराणिक काल से ही भारत में यह प्रथाएं चलती आ रही है। परंतु हम कुछ दशकों से देख रहे हैं अनेक कुप्रथाओं और नकारात्मक सोच वाली कुछ गतिविधियों पर शासकीय स्तरपर कानून बनाकर, या कुछ प्रथाओं को सामाजिक व्यक्तिगत या घरेलू स्तर पर बंद करने की कोशिशें की गई है। परंतु अभी भी कुछ कुप्रथाओं या विपरीत नकारात्मक सोच शुरू है जिन्हें शासकीय या सामाजिक स्तरपर बंद नहीं किया जा सकता। केवल जनता जनार्दन ने जन जागरण अभियान चलाकर ही बंद किया जा सकता है जिसमें सबसे महत्वपूर्ण कहावत 3 और13 के आंकड़े की है, जिसे अशुभ माना जाता है हालांकि इन आंकड़ों के कई सफलताओं की गाथाओं में से सबसे अच्छा उदाहरण हमारे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के जीवन में 3 और 13 का महत्व है। उनकी राजनीत सफलताओं में 13मई 1996 को पहली बार पीएम की शपथ लिए, 13 दिन बाद सरकार गिरी, दोबारा 13 महीने बाद पीएम बने, तीसरी बार पीएम बने तो 13 दिनों की साझा सरकार थी। 13 अप्रैल 1999 को शपथ ली तो पूरे 5 साल चली। 2004 के चुनाव में 13 अप्रैल को ही नामांकन भरा, इस प्रकार 13 का आंकड़ा उनके जीवन में साए की तरह चलता रहा। इन आंकड़ों के अनेक सफलताओं के भावों को देखा जा सकता है।इसलिए आज हम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे कि आओ मन को सकारात्मक सोच नहीं ढालें।

साथियों बात अगर हम तीन तिगड़ा काम बिगड़ा वाली कहावत की करें तो, वर्तमान आधुनिक डिजिटल युग में अंधविश्वासों गलतफहमियां से दूर सकारात्मक सोच रखना सफलता की कुंजी है। हम 3 या 13 के आंकड़े से डरते हैं या उससे दूर भागने की कोशिश करते हैं, अशुभ मानते हैं परंतु हम अगर तीन के सकारात्मक दृष्टिकोण और अपने मन को सकारात्मक सोच में ढालें तो सफ़ लता की गाथाएं हमारे जीवन से जुड़ जाएगी।

साथियों बात अगर हम 3 पर सकारात्मक सोच की करें तो,इसके पीछे की सच्चाई यह है कि कुछ लोग हमको अंधविश्वास में विश्वास दिलाना चाहते हैं जबकि ऐसा कुछ होता ही नहीं कोई संख्या किसी काम को निर्धारित नहीं करती ना ही उसके भविष्य को, अगर हमको लगता है कि 3 लोग किसी काम को मिलकर कर रहे हैं तो वह काम गड़बड़ हो जाएगा तो यह हमारी गलतफहमी है इसे दूर कर अंधविश्वासों से दूर रहें और सकारात्मक सोच वाले कुछ उदाहरणों को देखें। अखिल सृष्टि के देवता, तीनों देव ब्रह्मा, विष्णु और महेश की संयुक्त मूर्ति अधिकतर तस्वीरों में मिलती है। लक्ष्मी, सरस्वती और पार्वती भी तीन हैं। शंकर जी भोले बाबा का तिलक तीन रेखाओं में और त्रिशूल भी तीन शूलों से बना होता है। जब भी हम मंदिर में जाते हैं, तो तीन परिक्रमा के लिए ही कहा जाता है। पूजा के बाद आरती भी तीन बार लेकर भक्त जन प्रफुल्लित हो जाते हैं।पूजन करते वक्त मुख शुद्धि के लिए तीन बार आचमन किया जाता है और तीन ईष्टदेव, कुलदेव और स्थानदेव का ध्यान किया जाता है। हमारी उंगलियों की तरफ ध्यान से देखें तो प्रत्येक उंगली के पोर में तीन रेखाएं होती हैं। खेल प्रतियोगिता में भी प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को ही घोषित किया जाता है। जल को भी तीन भागों में भी बांटा जाता है ठोस, द्रव और गैस। समय को भी तीन कालों में बांटा गया है वर्तमान काल,भूतकाल और भविष्यकाल।सिगनल भी तीन होते हैं, लाल, पीला और हरा। घड़ी की सुईंया भी तीन होती हैं। हम गौर करें कि हम गाड़ी से सफर कर रहे होते हैं, वहां भी तीन स्लीपर बर्थ होती हैं, लोअर, मिडल और अपर। जब दौड़ शुरू की जाती है तो उसका प्रारंभ भी तीन गिन्ने के बाद शुरू होता है। हमारे देश में या और अन्य देशों में भी सेनाओं को तीन भागों में बांटा गया है जल सेना, थल सेना और वायु सेना। नदियों का संगम भी तीन नदियों से ही होता है। त्रिदेव का स्मरण करके अपने ईष्टदेव की पूजा करते समय तीन अगरबत्ती जलाने को शुभ माना जाता है। मौसम भी तीन होते हैं-सर्दी, गर्मी और बरसात। आज भी हम स्नेह मिलन तीन बार करते हैं। पूरे विश्व में त्रिगुनात्मक शक्ति सर्वोपरी मानी जाती है। मानव जीवन में भी मुख्य तीन अवस्थायें होती हैं बाल्यकाल, यौवन अवस्था और वृद्धावस्था।

साथियों तीन का प्रभाव सकारात्मक व नकारात्मक दोनों ही दृष्टि से हमारे जीवन पर प्रभाव डालता है। इसलिये हमें कभी भी नकारात्मक सोच नहीं रखनी चाहिये क्योंकि हम जैसा सोचते हैं हमारे जीवन में वैसा ही होता है। हमारा मन सबसे सशक्त व शक्तिशाली ऊर्जा का रूप है, इसमें विश्वास, आशा व सुंदर विचारों को रखना चाहिये ।

साथियों बात अगर हम 3 पर नकारात्मक सोच की करें तो, शंकर भगवान को विनाशकारी कहा जाता है क्योंकि उनके तीन नेत्र हैं।जब किसी व्यक्ति को गलत काम करने पर डांटा जाता है तो उसे थर्ड क्लास कहा जाता है। मुस्लिम धर्म में तीन बार तलाक-तलाक-तलाक बोलने पर तलाक हो जाता है, जिसपर अभी कानून बन गया है।पुलिस थर्ड डिग्री के आधार पर अपराधी से अपराध स्वीकार करवाती है जो अत्याधिक पीड़ादायक है। शरीर में स्वास्थ्य बिगडने की सबसे बड़ी समस्या वात, पित्त और कफ मानी जाती है।किसी भी घर में गणेश जी की तीन मूर्तियां रखना शुभ नहीं माना जाता है।तृतीय श्रेणी की नौकरी को अच्छा नहीं माना जाता है इसे सम्मानित दृष्टि से नहीं देखा जाता है। यहां लोग तीन तिगड़ा काम बिगाड़ा वाली सोच का संज्ञान लेते हैं जो एक नकारात्मक सोच है इसे बदलकर सकारात्मक सकारात्मक सोच में लाना चाहिए।

साथियों एक से दस तक के अंको में तीन अंक खास है, हमारे जीवन में सम और विषम अंक दोनो ही काफी महत्व रखते हैं, कभी-कभी तीन अंक को लेकर सकारात्मक और नकारात्मक सोच पर अच्छी खासी बहस हो जाती है। जैसे तीन सदस्यों को एक साथ घर से शुभ काम के लिए नहीं निकलना चाहिए। देखा जाए तो तीन अंक को काफी शुभ माना गया है। पूजन के बाद हम आचमन करते हैं, तो पंडित तीन बार हमारी अंजली में पवित्र जल प्रदान करते हैं।

विचारों की माला तो
विश्वास के फूलों से बनती है,
यदि इसमें प्रेम रस भरा हो तो
सारे जहां की खुशी मिलती है ।
अगर मन की धड़कती आवाज
सुनने की आदत हो तो
दिल की कही हर बात भली लगती है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि तीन तिगड़ा काम बिगड़ा, आओ मन को सकारात्मक सोच में ढालें, वर्तमान आधुनिक डिजिटल युग में अंधविश्वासों गलतफहमियां से दूर सकारात्मक सोच रखना सफ़लता की कुंजी है। जीवन में हम जैसा सोचते हैं वैसा हमारा मन हो जाता है जो सशक्त और शक्तिशाली ऊर्जा का रूप है, इसमें विश्वास आशा और सुंदर विचारों को रखें।

हीरो मोटोकॉर्प ने लॉन्च की ये नई बाइक्स और स्कूटर्स, जान लें क्या है खासियत और कीमत

परिवहन विशेष न्यूज

भारत की प्रमुख दो पहिया वाहन निर्माता Hero Motocorp की ओर से कई बेहतरीन वाहनों को बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। Bharat Mobility 2025 के तहत हो रहे Auto Expo 2025 में कंपनी की ओर से कई Bikes और Scooter को लॉन्च किया गया है। इनमें किस तरह की खासियत दी गई हैं। किस सेगमेंट में इनको लाया गया है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारत में कई सेगमेंट में Bikes और Scooter को ऑफर करने वाली प्रमुख वाहन निर्माता Hero Motocorp की ओर से Bharat Mobility 2025 के तहत हो रहे Auto Expo 2025 में कई बेहतरीन वाहनों को पेश और लॉन्च किया गया है। इनमें किस तरह की खासियतों को दिया गया है। किस सेगमेंट में किस वाहन को लाया गया है और इनको किस कीमत पर खरीदा जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Auto Expo 2025 में Hero Motocorp लाई ये Bikes और Scooter

हीरो मोटोकॉर्प की ओर से ऑटो एक्सपो 2025 के पहले ही दिन कई सेगमेंट में बेहतरीन Bikes और Scooter को पेश और लॉन्च कर दिया है। कंपनी की ओर से बाइक्स और स्कूटर को लाया गया है। इनमें Hero Xoom 125 और Hero Xoom160 भी शामिल है। इन दोनों स्कूटर्स के अलावा कंपनी की ओर से दो बाइक्स को भी लाया गया है, जिनमें Hero Xpulse 210 और Xtreme 250R शामिल हैं।

कितना दमदार इंजन

Hero Xtreme 250 में काफी दमदार इंजन दिया गया है। इसके इंजन से बाइक को 30 पीएस की पावर और 25 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। बाइक को 0-60 किलोमीटर की स्पीड हासिल करने में 3.25 सेकेंड का समय लगता है।

कैसे हैं फीचर्स

Hero Xtreme 250 में कंपनी की ओर से ड्यूल चैनल एबीएस, रियर व्हील लिफ्ट ऑफ प्रोटेक्शन, इमरजेंसी ब्रेक अलर्ट, 35 कनेक्टिविटी फीचर्स, टर्न बाय टर्न नेविगेशन जैसे कई फीचर्स दिए गए हैं। वहीं Hero Xpulse 210 में 220 एमएम ग्राउंड क्लियरेंस, 6स्पीड गियरबॉक्स, स्लिपर और असिस्ट क्लच को दिया गया है। Hero Xoom 160 में 14 इंच अलॉय व्हील्स, साइलेंट स्टार्ट के साथ i3S, फोर वाल्व तकनीक, स्मार्ट की रिमोट सीट एक्सेस, एलईडी हेडलैंप, फ्रंट डिस्क ब्रेक, एबीएस, ब्लूटूथ इनेबल्ड इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, टर्न बाय टर्न नेविगेशन को दिया गया है। Hero Xoom 125 में एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप, एलईडी सीक्वेंशन विंकर्स, 14 इंच अलॉय व्हील्स, फ्रंट डिस्क ब्रेक, ग्लोव बॉक्स चार्जर को दिया गया है।

कितनी है कीमत

कंपनी की ओर से Hero Xtreme 250R की एक्स शोरूम कीमत 1.80 लाख रुपये रखी है। इसके अलावा Xpulse 210 की एक्स शोरूम कीमत 1.75 रुपये रखी गई है। कंपनी की ओर से लॉन्च किए गए Hero Xoom 160 को 1.48 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर लाया गया है और Hero Xoom 125 की एक्स शोरूम कीमत को 86900 रुपये रखा गया है।

ऑटो एक्सपो 2025 में टाटा शोकेस की हैरिअर ईवी, सफारी और अविन्या, यहां देखिए पूरी डिटेल

परिवहन विशेष न्यूज

टाटा सफारी और टाटा हैरियर ईवी को नया स्टील्थ एडिशन मिला है जिसे भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में प्रदर्शित किया गया। टाटा एसयूवी के इस नए एडिशन में मैट ब्लैक एक्सटीरियर फिनिश के साथ-साथ स्टील्थ ब्लैक इंटीरियर थीम दी गई है। इस नए एडिशन में क्या-क्या दिया गया है इस पर एक नज़र डालते हैं। टाटा सिएरा ICE को Auto Expo 2025 में पेश किया।

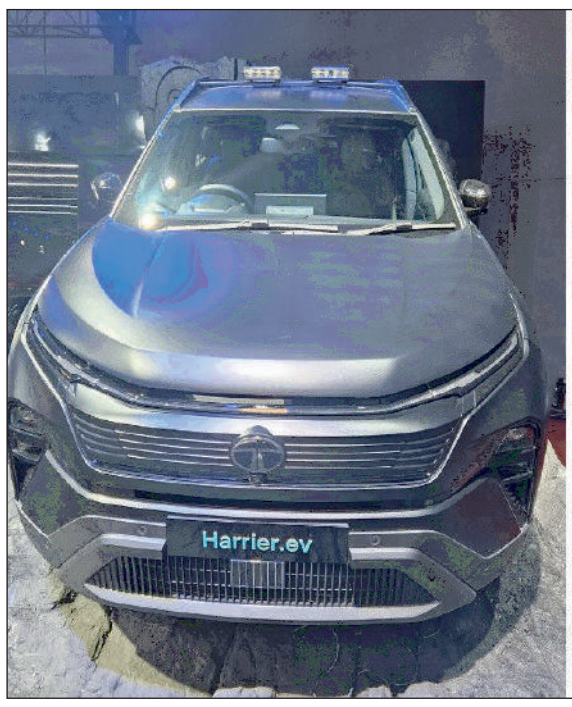

नई दिल्ली। भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में टाटा मोटर्स अपनी इलेक्ट्रिक कारों को पेश किया। इनके इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो में कई नए वाहन, अन्य ग्रीन फ्यूल तकनीक और अपने ICE SUV के कुछ लिमिटेड वेरिएंट को पेश किया गया। टाटा ने ऑटो एक्सपो में Harrier EV, Safari के स्टील्थ एडिशन के साथ Avinya को पेश किया। आइए जानते हैं कि Tata Motors Auto Expo 2025 में कौन-सी इलेक्ट्रिक कारें दिखाई।

Tata Harrier EV और Safari

टाटा मोटर्स की Tata Harrier EV और Safari को ऑटो एक्सपो 2025 में स्टील्थ एडिशन पेश किय गया। इन दोनों को ही मैट ब्लैक एक्सटीरियर शेड में लाया गया है। सफारी में नए मैट एडिशन में फ्रंट ग्रिल, एयर डैम और बंपर को ब्लैक आउट दिया गया है। वहीं, रियर ईवी में डुअल-टोन अलॉय व्हील्स को शामिल किया गया है। इन दोनों की डिजाइन ही कनेक्टेड एलईडी लाइटिंग एलिमेंट्स और समग्र सिल्हूट एक समान ही है।

Tata Harrier EV

टाटा मोटर्स ने इन एसयूवी का डैशबोर्ड का लेआउट इनकी मानक वेरिएंट के समान ही है। सफारी और हैरियर ईवी स्टील्थ एडिशन में 12.3 इंच की टचस्क्रीन, 10.25 इंच की टचस्क्रीन, डुअल-ज़ोन एसी, वायरलेस फ़ोन चार्जर और पैनोरमिक सनरूफ जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इनमें पैसेंजर की सेफ्टी के लिए 7 एयरबैग, 360 डिग्री कैमरा और लेवल 2 एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (ADAS) का फीचर भी दिया गया है।

Tata Sierra ICE

सिएरा ICE को बिल्कुल नए डिजाइन के साथ पेश किया गया, लेकिन इसके सिल्हूट को पुराने जैसा ही रखा गया है। इसमें बाहर की तरफ हाइलाइट्स में कनेक्टेड LED DRLs, फ्लश-टाइप डोर हैंडल और कनेक्टेड LED टेल लाइट्स दिए गए हैं।

इसके डैशबोर्ड पर 3 स्क्रीन के साथ हैरियर और सफारी की तुलना में ज्यादा बेहतरीन इंटीरियर भी दिया गया है। इसमें तीन 12.3-इंच स्क्रीन, पैनोरमिक सनरूफ और वेंटिलेटेड फ्रंट सीट जैसे फीचर्स भी दी गई है।

Tata Sierra ICE

Tata Sierra ICE में पैसेंजर की सेफ्टी के लिए 6 एयरबैग (मानक के रूप में), एक 360-डिग्री कैमरा और ADAS फीचर्स को शामिल किया गया है।

इसे 1.5-लीटर टर्बो-पेट्रोल और 2-लीटर डीजल इंजन के रूप में पेश किया गया। इसकी कीमत की बात करें तो इसे 10.50 लाख रुपये की एक्स-शोरूम में शुरू किया जा सकता है।

Tata Avinya Concept

ऊपर बताई गई Tata Sierra ICE, Tata Harrier EV और Safari की तरह ही टाटा मोटर्स ने Tata Avinya Concept को भी ऑटो एक्सपो 2025 में पेश किया।

इसे 2022 में पेश किए गए मॉडल की तुलना में नया रूप दिया गया है। इसमें टी-आकार के एलईडी डीआरएल, ब्लैंक्ड-ऑफ ग्रिल और स्लीक एलईडी हेडलाइट्स दिए गए हैं। कैमरा-बेस्ड बाहरी रियरव्यू मिरर, टेल लाइट्स में भी एलईडी डीआरएल की तरह टी-आकार का डिजाइन दिया गया है।

Tata Avinya Concept

इसमें डुअल 12.3-इंच डिस्प्ले (एक इंस्ट्रूमेंटेशन के लिए और दूसरा इंफोटेनमेंट के लिए), पैनोरमिक सनरूफ, वायरलेस फोन चार्जर और मल्टी-ज़ोन ऑटो एसी जैसे फीचर्स देखने के लिए मिले। वाहन-से-लोड (V2L) और वाहन-से-वाहन (V2V) जैसे फीचर्स भी मिल सकते हैं।

पैसेंजर की सेफ्टी के लिए 6 एयरबैग (मानक के रूप में), 360-डिग्री कैमरा और कुछ उन्नत ड्राइवर सहायता प्रणाली (ADAS) जैसे फीचर्स से लैस किया जा सकता है।

हयुंडई क्रेटा ईवी हुई ऑटो एक्स्पो 2025 में लॉन्च, कीमत 17.99 लाख रुपये, सिंगल चार्ज में चलेगी 473 किलोमीटर

परिवहन विशेष न्यूज

Hyundai Creta EV launch India साउथ कोरियाई वाहन निर्माता Hyundai की ओर से भारतीय बाजार में मास सेगमेंट वाली Electric SUV को Auto Expo 2025 के दौरान लॉन्च कर दिया गया है। कंपनी की ओर से इसे किस कीमत पर लाया गया है। किस तरह के फीचर्स को इसमें दिया गया है। कब से इसकी डिलीवरी को शुरू किया जाएगा।

नई दिल्ली। साउथ कोरियाई वाहन निर्माता हुंडई की ओर से भारतीय बाजार में Hyundai Creta Electric को Auto Expo 2025 के पहले दिन लॉन्च कर दिया गया है। कंपनी की ओर से इसमें किस तरह के फीचर्स को दिया गया है। कितनी क्षमता की बैटरी और मोटर मिलेगी। कितनी रेंज के साथ एसयूवी को लाया गया है। एक्स शोरूम कीमत (Hyundai Creta EV Price) क्या हो रखी गई है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

हुंडई की ओर से इलेक्ट्रिक एसयूवी के तौर पर Hyundai Creta Electric को Auto Expo 2025 के पहले दिन भारतीय बाजार में लॉन्च कर दिया गया है। कंपनी की ओर से इसमें कई बेहतरीन फीचर्स को दिया गया है।

कैसे हैं फीचर्स

Hyundai Creta Electric में कंपनी की ओर से In Car Payment, डिजिटल की, शिफ्ट बाय वायर, सिंगल पेडल ड्राइव, व्हीकल टू लोड, एडवांस क्लाइमेट कंट्रोल, बोस का 8 स्पीकर ऑडियो सिस्टम, 10.25 इंच की ड्यूल कर्वीलिनियर स्क्रीन के साथ एचडी इंफोटेनमेंट, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, कूल्ड ग्लोव बॉक्स, 268 भाषाओं में वॉयस कमांड, पैनोरमिक सनरूफ, हुंडई ब्लूलिंक कनेक्टिविटी, ग्रेनाइट ग्रे और डार्क नेवी रंग का इंटीरियर दिया जाएगा। इसके साथ ही इसमें ओशन ब्लू रंग की एंबिएंट लाइट्स, फ्लोटिंग कंसोल, 10.25 इंच इंफोटेनमेंट और इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, नए अलॉय व्हील्स, ड्यूल जोन क्लाइमेट कंट्रोल, 2610 एमएम का व्हीलबेस, 8वे पावर्ड फ्रंट सीट, ड्राइवर मेमोरी सीट, 22 लीटर फ्रंक स्पेस, 433 लीटर का बूट स्पेस इसमें मिलेगा।

कितनी है सुरक्षित

Hyundai Creta EV में सुरक्षा का भी काफी ध्यान रखा जाएगा। इसमें एडवांस हाई स्ट्रेंथ स्टील का उपयोग किया जाएगा। इसके अलावा इसमें 19 सेफ्टी फंक्शंस के साथ Level-2 ADAS, छह एयरबैग, ऑल व्हील डिस्क ब्रेक, ईपीबी, ऑटो होल्ड, हिल होल्ड असिस्ट, ईएससी, वीएसएम, आइसोफिक्स चाइल्ड एंकरेज, टीपीएमएस जैसे सेफ्टी फीचर्स मिलेंगे। इनके साथ ही इसमें एसवीएम, बीवीएम, रेन सेंसिंग वाइपर, पार्किंग सेंसर को भी सेफ्टी फीचर के तौर पर दिया जाएगा।

कितनी दमदार बैटरी और रेंज

कंपनी की ओर से इसमें बैटरी के दो विकल्प दिए गए हैं। जिसमें 42 KWh की क्षमता की बैटरी से इसे 390 किलोमीटर की रेंज मिलेगी और 51.4 kWh की क्षमता वाली बैटरी से इसे सिंगल चार्ज में 473 किलोमीटर की रेंज (Hyundai Creta EV Range) मिलेगी। इसमें लगी मोटर से इसे 7.9 सेकेंड में ही 0-100 किलोमीटर की स्पीड मिलेगी। इसकी बैटरी को डीसी चार्जर से 58 मिनट में 10 से 80 फीसदी तक चार्ज किया जा सकेगा। वहीं 11kW के वॉल बॉक्स चार्जर से 10 से 100 फीसदी चार्ज करने में चार घंटे का समय लगेगा।

कितनी है कीमत

हुंडई क्रेटा इलेक्ट्रिक एसयूवी को पांच वेरिएंट्स (Creta EV variants) में लाया गया है। इसकी शुरुआती एक्स शोरूम कीमत 17.99 लाख रुपये रखी गई है। वहीं इसके टॉप वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 23.49 लाख रुपये रखी गई है।

किनसे होगा मुकाबला

Auto Expo 2025 में ही Maruti Grand Vitara Electric को भी लॉन्च किया जाएगा। जिसके बाद Hyundai Creta EV का सीधा मुकाबला मारुति ग्रैंड विटारा इलेक्ट्रिक, JSW MG ZS EV, Tata Curvv EV जैसी इलेक्ट्रिक एसयूवी के साथ होगा।

जेएसडब्ल्यू एमजी ने ऑटो एक्सपो 2025 में पेश की साइबर्सस्टर सुपर कार, जानें कैसे हैं फीचर्स, कितनी है रेंज

परिवहन विशेष न्यूज

ब्रिटिश वाहन निर्माता JSW MG मोटर्स की ओर से भारतीय बाजार में नई Electric Super Car के तौर पर MG Cyberster को Auto Expo 2025 में पेश कर दिया गया है। गाड़ी में किस तरह के फीचर्स को दिया गया है। कितनी दमदार बैटरी और मोटर इसमें दी गई है। इसकी बुकिंग कब से शुरू होगी और कब तक इसे लॉन्च किया जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। ब्रिटिश वाहन निर्माता JSW MG की ओर से भारतीय बाजार में नई गाड़ी के तौर पर MG Cyberster को पेश कर दिया गया है। एमजी की इस Electric Super Car में किस तरह के फीचर्स को दिया गया है। कितनी दमदार बैटरी और मोटर को दिया गया है। JSW MG Cyberster के लिए कब से रिजर्वेशन को शुरू किया जा रहा है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Auto Expo 2025 में पेश हुई MG Cyberster

JSW MG Cyberster के तौर पर ब्रिटिश वाहन निर्माता की ओर से नई Electric Super Car को भारत में पेश कर दिया गया है। कंपनी की ओर से इस गाड़ी को टू-डोर इलेक्ट्रिक कार के तौर पर लाया गया है। इसकी खासियत सिजर डोर (electric scissors seats) हैं। इसके साथ ही गाड़ी का डिजाइन भी बेहद एयरोडाइनैमिक बनाया गया है।

कितनी दमदार बैटरी-मोटर और रेंज

JSW MG Cyberster Electric Super Car में कंपनी की ओर से दमदार बैटरी और मोटर को दिया गया है। इसमें लगी बैटरी को फुल चार्ज करने के बाद 507 किलोमीटर तक की रेंज मिलती है। बैटरी को 144 kW फास्ट चार्जर से 38 मिनट में 10 से 80 फीसदी तक चार्ज किया जा सकता है। गाड़ी में लगी मोटर से इसे 375 किलोवाट की पावर और 725 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। जिससे इसे 3.2 सेकेंड में ही 0-100 किलोमीटर की स्पीड से चलाया जा सकता है। इसकी टॉप स्पीड 195 किलोमीटर प्रति घंटा तक है। शुरुआत से ही पावर महसूस करने के लिए इसमें लॉन्च कंट्रोल को भी दिया गया है। इसके अलावा इसमें रियर व्हील ड्राइव और ऑल व्हील ड्राइव का विकल्प भी मिलता है।

कैसे हैं फीचर्स

कंपनी की ओर से इसमें 10.25 इंच का वर्चुअल क्लस्टर, सात इंच इंफोटेनमेंट स्क्रीन, सात इंच की ड्राइवर टचस्क्रीन को दिया गया है। इसके अलावा इसमें बोस का साउंड सिस्टम, वाई शेप स्पोर्ट्स सीट, 19 और 20 इंच अलॉय व्हील्स, फुली इलेक्ट्रिक हुड, एंड्राइड ऑटो, एपल कार प्ले जैसे कई फीचर्स को दिया गया है।

कितनी है कीमत

एमजी की ओर से इसे फिलहाल भारत में पेश किया गया है, कुछ समय बाद इसे औपचारिक तौर पर लॉन्च किया जाएगाा। फिलहाल कंपनी की ओर से 17 जनवरी 2025 से इसके रिजर्वेशन को शुरू कर दिया गया है। गाड़ी की डिलीवरी को मार्च 2025 से शुरू किया जाएगा।

कॉलेज जीवन और स्टार्टअप के बीच संतुलन कैसे बनाएं?

विजय गर्ग

हाल के वर्षों में, कॉलेज परिसर नवाचार और उद्यमिता के लिए उपजाऊ जमीन बन गए हैं। कई छात्र सरल विचारों को संपन्न स्टार्टअप में बदलने के लिए अपने शैक्षणिक वातावरण और युवा ऊर्जा का लाभ उठा रहे हैं। कॉलेज के छात्रावास देर रात के अध्ययन सत्र, मैगी नूडल्स और रूम मेट्स के साथ अंतहीन बातचीत से जुड़े हुए हैं। लेकिन अब, कई महत्वाकांक्षी छात्रों के लिए, वे बड़े विचारों का जन्मस्थान भी हैं। आज भारत के विभिन्न परिसरों में अगले यूनिकॉर्न के निर्माण का सपना देखने वाले अनगिनत युवा हैं। यदि आप एक छात्र हैं और कक्षाओं और परीक्षाओं के बीच संतुलन बनाते हुए एक स्टार्टअप शुरू करने का सपना देख रहे हैं, तो यह आपके छात्रावास के कमरे के विचार को एक संपन्न व्यवसाय में बदलने के लिए आपका चरण-दर-चरण खाका है। एक विजन के साथ शुरुआत करें हर सफल स्टार्टअप एक विजन के साथ शुरू होता है। अपने आप से पूछें: मैं किस समस्या का समाधान कर रहा हूँ? आपका ₹क्यों₹ आपके विचार के विकास से लेकर कठिन समय के दौरान आपकी प्रेरणा तक, सब कुछ संचालित करेगा। मान लीजिए कि आपने देखा है कि साथी छात्र अंतिम समय में सस्ती ट्यूशन सहायता पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यह आपकी समस्या है. इसका समाधान एक ऐसा ऐप हो सकता है जो छात्रों को घंटों के भीतर योग्य, किफायती ट्यूटर्स से जोड़े। यही विज़न आपके स्टार्टअप की नींव बनता है। समस्या है या नहीं यह जानने के लिए दोस्तों या सहपाठियों से बात करके कार्रवाई करें। बड़े दर्शकों से जानकारी इकट्ठा करने के लिए सर्वेक्षण या ऑनलाइन फ़ोरम का उपयोग करें। फिर, बाजार जाओ. व्यावसायिक, शैक्षणिक और व्यक्तिगत एक बार जब आपका विचार मान्य हो जाए, तो एक साधारण लीन कैनवास का उपयोग करके इसे मैप करें। यह एक-पृष्ठ व्यवसाय मॉडल आपको अपने राजस्व, लागत, अद्वितीय मूल्य प्रस्ताव आदि की रूपरेखा तैयार करने में मदद करेगा। लीन कैनवस यह सुनिश्चित करता है कि आप अनावश्यक विवरणों पर समय बर्बाद किए बिना महत्वपूर्ण बातों पर ध्यान केंद्रित रखें। स्टार्टअप जोखिम भरे हैं, खासकर जब आप उन्हें शिक्षाविदों के साथ संतुलित कर रहे हों। समय की उलझन या सीमित धन जैसी चुनौतियों को पहचानें और बैकअप योजनाएँ बनाएँ। उदाहरण के लिए, अपने स्टार्टअप के लिए समर्पित घंटे निर्धारित करने के लिए टाइम-ब्लॉकिंग जैसी समय प्रबंधन तकनीकों का उपयोग करें। एक सह-संस्थापक के साथ साझेदारी करें जो परीक्षा के मौसम के दौरान कदम रख सके या अप्रत्याशित लागतों का प्रबंधन करने के लिए एक आपातकालीन निधि रख सके। इसके अलावा, नियमित ब्रेक शेड्यूल करके, माइंडफुलनेस या जर्नलिंग का अभ्यास करके और छोटी जीत का जश्न मनाकर अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा करें। एक विजेता टीम को इकट्ठा करो महान विचारों के लिए महान टीमों की आवश्यकता होती है। पूरक कौशल वाले सह-संस्थापकों या सहयोगियों की तलाश करें। यदि आप व्यवसाय प्रमुख हैं, तो किसी ऐसे व्यक्ति के साथ जुड़ें जो कोड या डिज़ाइन कर सकता है। यूनिवर्सिटी हैकथॉन और स्टार्टअप क्लब समान विचारधारा वाले साथियों को खोजने के लिए शानदार स्थान हैं। चूंकि आप एक टीम के सदस्य हैं, इसलिए भूमिका में स्पष्टता आवश्यक है। भ्रम से बचने के लिए विशिष्ट जिम्मेदारियाँ सौंपें। एक व्यक्ति मार्केटिंग और आउटरीच संभाल सकता है, जबकि दूसरा व्यक्ति ऐप विकास या उत्पाद डिज़ाइन का प्रबंधन कर सकता है। निर्माण और परीक्षण तुरंत एक परिष्कृत, उत्तम उत्पाद बनाने का लक्ष्य न रखें। इसके बजाय, न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद (एमवीपी) से शुरुआत करें - आपके उत्पाद का एक सरल संस्करण जो मुख्य समस्या का समाधान करता है। उदाहरण के लिए, हमारे ट्यूशन ऐप के लिए, आप बेसिक ऐप प्रोटोटाइप बनाने के लिए बबल या ग्लाइड जैसे नो-कोड टूल का उपयोग कर सकते हैं। फिर, प्रतिक्रिया एकत्र करें. अपने एमवीपी का परीक्षण वास्तविक उपयोगकर्ताओं - दोस्तों, सहपाठियों, या यहां तक कि ऑनलाइन अजनबियों के साथ करें। ईमानदार प्रतिक्रिया के लिए पूछें. क्या ऐप उनकी समस्या का समाधान करता है? वे किन सुविधाओं में सुधार देखना चाहेंगे? यह फीडबैक लूप आपको अनावश्यक सुविधाओं पर समय बर्बाद किए बिना अपने उत्पाद को परिष्कृत करने में मदद करेगा। एक मजबूत ब्रांड बनाएं आपके स्टार्टअप का ब्रांड सिर्फ एक लोगो से कहीं अधिक है। यह आपका व्यक्तित्व हैव्यापार। इस बारे में सोचें कि आप अपने स्टार्टअप को किस तरह से देखना चाहते हैं: पेशेवर, सुलभ या नवोन्वेषी? Wix या WordPress जैसे टूल का उपयोग करके एक साधारण वेबसाइट या लैंडिंग पृष्ठ लॉन्च करें। अपने लक्षित दर्शकों से जुड़ने, एक समुदाय और उत्साह का निर्माण शुरू करने के लिए इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करें। एक सम्मोहक कहानी मदद करती है. साझा करें कि आपने अपना व्यवसाय क्यों शुरू किया। उदाहरण के लिए, यदि आपको नए विद्यार्थी के रूप में शिक्षक ढूंढने में कठिनाई हो रही है, तो उसे अपनी कहानी का हिस्सा बनाएं। कहानियाँ लोगों को प्रभावित करती हैं और आपके ब्रांड को भरोसेमंद बना सकती हैं। वित्त का प्रबंधन बुद्धिमानी से करें छात्र उद्यमियों के लिए अक्सर पैसों की तंगी होती है। छोटी शुरुआत करें और ऐप डेवलपमेंट या मार्केटिंग जैसे आवश्यक खर्चों पर ध्यान केंद्रित करें। बहीखाता रखने और खर्च पर नज़र रखने के लिए मुफ़्त टूल का उपयोग करें। अपने प्रमुख वित्तीय मैट्रिक्स को ट्रैक करना सीखें, जैसे ब्रेकईवन पॉइंट और ग्राहक अधिग्रहण लागत, और आजीवन मूल्य। बूटस्ट्रैपिंग जैसे फंडिंग विकल्पों का पता लगाएं - बचत या परिवार और दोस्तों के छोटे योगदान का उपयोग करके। धन जुटाने में मदद के लिए आप केटो जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से क्राउडफंडिंग का प्रयास कर सकते हैं। साथ ही, सरकार और कई संस्थान नवप्रवर्तन अनुदान भी प्रदान करते हैं - उनके लिए आवेदन करें। बाज़ार और विकास आपको अपने स्टार्टअप की मार्केटिंग के लिए बड़े बजट की आवश्यकता नहीं है। एक छात्र के रूप में, आप अपने विश्वविद्यालय नेटवर्क का लाभ उठा सकते हैं। प्रचार-प्रसार के लिए कैंपस ईमेल सूचियों का उपयोग करें, क्लबों के साथ कार्यक्रम आयोजित करें या बुलेटिन बोर्ड पर पोस्ट करें। एक अच्छा ग्रोथ हैक शुरुआती उपयोगकर्ताओं को रेफरल के लिए छूट या प्रोत्साहन की पेशकश कर रहा है। उदाहरण के लिए, जो उपयोगकर्ता आपके प्लेटफ़ॉर्म पर तीन दोस्तों को लाते हैं, उन्हें उनका अगला सत्र मुफ़्त मिलता है। एक बार जब आपका उत्पाद लोकप्रियता हासिल कर लेता है, और आप अपने मॉडल को मान्य कर लेते हैं, तो यह बड़ा सोचने का समय है...एंजेल निवेशक या उद्यम पूंजी फंडिंग, और स्केलिंग। आप बोर्डरूम में बड़ी छलांग के लिए तैयार हैं। अपने छात्रावास से स्टार्टअप बनाना चुनौतीपूर्ण लग सकता है, लेकिन यह पूरी तरह से संभव है और अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद है। आसपास के संसाधनों - अपने विश्वविद्यालय, साथियों और ऑनलाइन संसाधनों का उपयोग करें। छोटी शुरुआत करें, केंद्रित रहें और मूल्य प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करें। और कौन जानता है? आपका विचार शायद अगली बड़ी सफलता की कहानी हो जिसके बारे में भारत में हर कोई बात कर रहा है।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

महाकुंभ में संगम तट पर करने जा रहे हैं स्नान, तो इन व्यंजनों को चखे बिना न छोड़ें प्रयागराज

इन दिनों उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में लोगों का तांता लगा हुआ है। 144 साल बाद आयोजित हो रहे महाकुंभ में शामिल होने के लिए दूर-दूर से लोग संगम नगरी पहुंच रहे हैं। अगर आप भी इस खास मौके पर प्रयागराज जा रहे हैं तो यहां के कुछ मशहूर व्यंजन को खाने से बिल्कुल भी न चूकें।

दुनियाभर से लोग इस समय भारत के प्रयागराज पहुंच रहे हैं। यहां 144 साल बाद आस्था के महापर्व महाकुंभ (Maha kumbh 2025) का आयोजन किया जा रहा है। देश-विदेश से लोग यहां मौजूद पर स्नान करने आ रहे हैं। हिंदू धर्म में महाकुंभ का खास महत्व होता है। ऐसा माना जाता है कि महाकुंभ में नहाने से सभी पाप खत्म हो जाते हैं और मोक्ष मिलता है।

इसी मनोकामना के साथ दूर-दूर से लोग यहां आस्था की डुबकी लगाने आ रहे हैं। यह भव्य समारोह 13 जनवरी से शुरू हुआ है, जो 26 फरवरी तक जारी रहेगा। भारत में अपने आप में बेहद खास है। यहां हर एक राज्य और शहर की अपनी अलग खासियत है और यहां का खानपान इन्हीं खास चीजों में से एक है। अगर आप भी इन दिनों महाकुंभ में जाने का प्लान बना रहे हैं, तो प्रयाग के इन स्वादिष्ट और मशहूर स्ट्रीट फूड्स (Prayagraj street food) का स्वाद चखे बिना वापस न लौटें।

दही जलेबी

दही जलेबी का स्वाद काफी कम लोगों ने ही चखा होगा है। यह मुख्य रूप से प्रयागराज में मशहूर है और खाने में बेहद स्वादिष्ट भी लगती है। हालांकि, कई लोग इसका नाम सुनते ही नाक-मुंह बनाने लगते हैं। हालांकि, इस बार अगर आप प्रयागराज (Maha kumbh Prayagraj cuisine) जाए, तो इसका स्वाद चखना न भूलें।

चुरमुरा

अगर आप कुछ हल्का और स्वादिष्ट खाना चाहते हैं, तो प्रयागराज में मिलने वाला चुरमुरा एक बेस्ट ऑप्शन है। इसे बनाने के लिए आमतौर पर लईया/मूरी/मुरमुरा, मसाले, सेव, मूंगफली, मिर्च और टमाटर प्याज इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही नींबू मिलाने के बाद इसका स्वाद कई गुना बढ़ जाता है।

लौंग लता

यह एक तरह की मिठाई है, जिसके बारे में कम लोग भी जानते हैं। यह मुख्य रूप से यूपी-बिहार और बंगाल में पसंद की जाती है। हालांकि, इसका स्वाद भी बेहद लाजवाब होता है। इसे मैदे से बनाया जाता है और फिर इसमें चाशनी डालकर इसे परोसा जाता है।

अंगूरी पेठा

आप प्रयागराज में अंगूरी पेठा भी ट्राई कर सकते हैं। यह इस शहर की एक लोकप्रिय मिठाई है, जिसे फलों के रस और चीनी से बनाया जाता है।

कचौड़ी सब्जी

अगर आप महाकुंभ के लिए प्रयागराज जा रहे हैं, तो अपनी टू डू लिस्ट में कचौड़ी सब्जी खाना जरूर एड कर लें। यह प्रयागराज की बेहद स्वादिष्ट डिश है, जिसमें कचौड़ी को उड़द दाल और देसी घी से बनाया जाता है। वहीं, इसके साथ आलू टमाटर की सब्जी सर्व की जाती है।

देहाती रसगुल्ला

अगर आप प्रयागराज गए हैं और यहां का प्रसिद्ध देहाती रसगुल्ला नहीं खाया, तो आपने बहुत कुछ मिस कर दिया है। प्रयागराज के बैरहना की एक मशहूर दुकान में आप शहर के सबके स्वादिष्ट रसगुल्ला का स्वाद चख सकते हैं।

गुलाबी अमरूद

इलाहाबादी गुलाबी अमरूद आपको यहां की हर गली-मोहल्ले में देखने को मिल जाएगा। आप यहां लगने वाली फलों की दुकान पर इसका स्वाद ले सकते हैं। नमक और खास मसाले के साथ इसे खाना मजेदार होगा।

जीवन प्लास्टिक है

विजय गर्ग

हाल की सुर्खियों में लोगों से आग्रह किया गया है कि वे अपने घरों के आसपास पड़ी किसी भी काली प्लास्टिक की वस्तु को तुरंत बाहर फेंक दें, यह चेतावनी देते हुए कि उनमें जहरीले रसायन हो सकते हैं। अक्टूबर 2024 में केमोस्फीयर जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन ने इनमें से कई रिपोर्टों को प्रेरित किया। इसमें पाया गया कि स्पैटुला, टेकअवे ट्रे और बच्चों के खिलौने सहित इनमें से कुछ वस्तुएं ज्वाला मंदक को दूर कर सकती हैं। लेकिन क्या वे आपके स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा करते हैं, यह अधिक जटिल प्रश्न है। पिछले अध्ययनों से पता चला है कि ज्वाला मंदक प्लास्टिक से रिस सकते हैं, खासकर गर्म होने पर। हालाँकि इन रसायनों के उच्च स्तर के संपर्क को गंभीर स्वास्थ्य प्रभावों से जोड़ा गया है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि कोई भी एक घरेलू वस्तु जोखिम को कितना बढ़ा देती है। स्पैटुला में ज्वाला मंदक क्यों होते हैं? निर्माताओं ने आग के प्रसार को धीमा करने के लिए 1970 के दशक में टीवी सेट और कंप्यूटर जैसे उत्पादों में ज्वाला मंदक जोड़ना शुरू कर दिया। लेकिन कंपनियों को इन्हें चरणबद्ध तरीके से हटाना पड़ा क्योंकि पिछले दो दशकों के अध्ययनों से पता चला है कि ये जहरीले होते हैं और उच्च स्तर के संपर्क में आने पर जानवरों और मनुष्यों के लिए कैंसर का कारण बन सकते हैं। हालाँकि, इनमें से कुछ रसायन पुनर्चक्रित इलेक्ट्रॉनिक कचरे से बनी प्लास्टिक की घरेलू वस्तुओं में फिर से उभर आए हैं, क्योंकि कुछ ज्वाला मंदक के उपयोग पर लगाम लगाने वाले नियम ऐसी सामग्रियों पर लागू नहीं होते हैं। तथ्य यह है कि प्रतिबंधित रसायन घरेलू उत्पादों में दिखाई दिए हैं, यह दर्शाता है कि ₹अगर हम सावधान नहीं हैं तो वे हमें दूसरी बार काट सकते हैं₹, अमेरिका में हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पर्यावरणीय स्वास्थ्य के प्रोफेसर जोसेफ एलन, जिन्होंने स्वास्थ्य का अध्ययन किया है, ने कहा। ज्वाला मंदक के जोखिम. लोगों के लिए यह बताना संभव नहीं है कि कौन सी काली प्लास्टिक की वस्तुओं में ज्वाला मंदक हो सकते हैं, लेकिन नए अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने परीक्षण किए गए 200 से अधिक घरेलू उत्पादों में से 17 में रसायन पाए। कुछ उत्पादों में कैंसर से जुड़ा ज्वाला मंदक decaBDE पाया गया, जिसे अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी ने 2021 में उन अध्ययनों के आधार पर प्रतिबंधित कर दिया, जिनसे पता चला था कि यह मानव स्वास्थ्य के लिए खतरनाक था। जोखिम के स्वास्थ्य जोखिम क्या हैं? जानवरों और मनुष्यों पर किए गए कुछ अध्ययनों ने ज्वाला मंदक के संपर्क को कैंसर, अंतःस्रावी व्यवधान और प्रजनन और न्यूरोडेवलपमेंटल स्वास्थ्य प्रभावों के बढ़ते जोखिम से जोड़ा है। पिछले साल प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा और निर्माण सामग्री में इन रसायनों के संपर्क में आने वाली गर्भवती महिलाओं में समय से पहले जन्म का खतरा अधिक होता है। अन्य अध्ययनों से पता चला है कि गर्भावस्था के दौरान ज्वाला मंदक के उच्च स्तर के संपर्क में आने वाली महिलाओं के बच्चों में बाद के जीवन में न्यूरोडेवलपमेंटल कमी होने की संभावना अधिक होती है। इनमें से कुछ रसायन, जिनमें पॉलीब्रोमिनेटेड डिफेनिल ईथर या पीबीडीईएस शामिल हैं, को थायरॉयड रोग के बढ़ते जोखिम से भी जोड़ा गया है। इन प्रभावों का सटीक तंत्र स्पष्ट नहीं है। एक सिद्धांत यह है कि रसायनों की संरचना थायराइड हार्मोन के समान दिखती है जिससे यह थायराइड में खराबी का कारण बन सकता है। हीथर स्टेपलटन ने कहा, ₹अमेरिकी आबादी में थायराइड रोग अधिक आम होता जा रहा है, और वास्तव में कोई नहीं जानता कि इसके पीछे क्या कारण है।₹ ड्यूक विश्वविद्यालय में एक पर्यावरण-मानसिक रसायनज्ञ, ₹लेकिन ऐसा माना जाता है कि पर्यावरणीय जोखिम एक भूमिका निभा सकते हैं।₹ फिर भी, ऐसे कई प्रश्न हैं जिनका वैज्ञानिकों को उत्तर देने की आवश्यकता है, जिसमें यह भी शामिल है कि जोखिम के किस स्तर के कारण सबसे गंभीर स्वास्थ्य परिणाम होते हैं और लोगों को हर दिन काली प्लास्टिक की वस्तुओं के उपयोग से कितना जोखिम का सामना करना पड़ सकता है। नया अध्ययन, जो एक उपभोक्ता वकालत समूह, टॉक्सिक फ्री फ़्यूचर द्वारा आयोजित किया गया था, ने अपने अनुमानों पर आधारित किया2018 के पेपर में प्रकाशित शोध पर विषाक्त पदार्थों का स्तर। इसमें ज्वाला मंदक की उच्चतम सांद्रता वाले बर्तनों को 15 मिनट तक गर्म खाना पकाने के तेल में डुबाकर तनाव-परीक्षण किया जाता है। ब्रिटेन के बर्मिंघम विश्वविद्यालय में पर्यावरण रसायन विज्ञान के प्रोफेसर और अध्ययन के लेखकों में से एक, स्टुअर्ट हैराड ने खाना पकाने की विधि को ₹सबसे खराब स्थिति₹ के रूप में वर्णित किया। एलन ने कहा कि ₹सामान्य उपयोग की स्थितियों में, यह बहुत कम संभावना है कि ये रसायन आपके द्वारा पकाए जा रहे भोजन में किसी सार्थक स्तर पर आ जाएंगे जिसके बारे में आपको चिंतित होना चाहिए।₹ क्या मुझे सुरक्षित रहने के लिए इन उत्पादों को फेंक देना चाहिए? अस्थिर विज्ञान को देखते हुए, सभी विशेषज्ञ इस बात से सहमत नहीं हैं कि इन वस्तुओं का उपयोग करना असुरक्षित है। लेकिन वे इस बात से सहमत हैं कि आपको उनके साथ सावधानी से व्यवहार करना चाहिए। विशेषज्ञों का सुझाव है कि आप अपने प्लास्टिक के बर्तनों को गर्म बर्तनों या कड़ाही में छोड़ने से बचें। वे काले प्लास्टिक के कंटेनरों में भोजन को दोबारा गर्म करने के खिलाफ भी सलाह देते हैं, और कहते हैं कि आपको उन काले प्लास्टिक की वस्तुओं को फेंक देना चाहिए जो चिपकी हुई हैं या खराब हैं, इस जोखिम से बचने के लिए कि बिखरा हुआ प्लास्टिक भोजन को दूषित कर देगा। टॉक्सिक फ्री फ़्यूचर के विज्ञान और नीति प्रबंधक मेगन लियू ने स्वीकार किया कि काले प्लास्टिक से पूरी तरह बचना मुश्किल है, लेकिन कहा कि आपके जोखिम को कम करना संभव है। उदाहरण के लिए, वह अब भी टेकअवे सुशी खरीदती है, लेकिन घर पहुंचने पर उसे काली प्लास्टिक ट्रे से एक प्लेट में निकाल लेती है, उसने कहा। वह ज्यादातर खाना पकाने के लिए लकड़ी के चम्मच और धातु के बर्तनों का उपयोग करती है। लेकिन वह अभी भी अपनी पसंद के अनुसार अंडे पकाने के लिए और अपने नॉनस्टिक पैन को खरोंचने से बचाने के लिए एक काले प्लास्टिक स्पैटुला का उपयोग करती है। ₹सबकुछ संयम में,₹ उसने कहा।

2025 का संचार चौराहा : विजय गर्ग

दुष्प्रचार के बढ़ने और मानवीय संबंधों पर अक्सर एल्गोरिदम का प्रभाव पड़ने से यह सवाल उठता है: क्या हम समझ को बढ़ावा दे रहे हैं, या विभाजन को बढ़ावा दे रहे हैं? 2025 में, दुनिया संचार जटिलताओं की भूलभुलैया से गुजर रही है। भू-राजनीतिक तनाव से लेकर प्रौद्योगिकी के व्यापक प्रभाव तक, संचार रणनीतियाँ वैश्विक स्थिरता-या अस्थिरता के केंद्र में हैं। जैसे-जैसे बातचीत के उपकरण विकसित होते हैं, वैसे-वैसे उनके द्वारा प्रस्तुत चुनौतियाँ, जिम्मेदारियाँ और अवसर भी बढ़ते हैं। क्या हम आगे आने वाली स्थिति के लिए तैयार हैं, या हम अपने ही पैदा किए संकट की ओर बढ़ रहे हैं? 2025 में संचार की चुनौतियाँ एक दशक पहले की चुनौतियों से स्पष्ट रूप से भिन्न हैं। भू-राजनीतिक गतिशीलता बदल गई है, राष्ट्र कूटनीति के उपकरण और दुष्प्रचार के उपकरण दोनों के रूप में डिजिटल प्लेटफॉर्म का लाभ उठा रहे हैं। शासन कला और साइबर प्रभाव के बीच की रेखाएं धुंधली हो गई हैं, जिससे एक अस्थिर पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण हो रहा है जहां शब्दों का वजन हथियारों जितना ही होता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और एल्गोरिदम-संचालित सामग्री के उदय ने इन चुनौतियों को बढ़ा दिया है। हालाँकि ये उपकरण अभूतपूर्व दक्षता प्रदान करते हैं, लेकिन वे सत्य पर जुड़ाव मेट्रिक्स को भी प्राथमिकता देते हैं। इसका परिणाम सनसनीखेज, क्लिकबेट सामग्री की अधिकता है जो अक्सर पदार्थ पर सतहीपन को प्राथमिकता देती है। इस शोर-शराबे में, बारीक परिप्रेक्ष्य और गहराई से शोध किए गए आख्यान दब गए हैं, जिससे वैश्विक दर्शक हेरफेर और गलत सूचना के प्रति संवेदनशील हो गए हैं। ₹चौथे स्तंभ₹ के रूप में मीडिया की भूमिका कभी भी अधिक आलोचनात्मक या अधिक जांच-पड़ताल नहीं की गई है। हाइपर-कनेक्टिविटी के युग में, मीडिया की सार्वजनिक धारणा को आकार देने और भू-राजनीतिक परिणामों को प्रभावित करने की क्षमता अद्वितीय है। लेकिन महान शक्ति के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी आती है। क्या मीडिया को सकारात्मक और जागरूक प्रभाव को बढ़ावा नहीं देना चाहिए? क्या इसे अपने द्वारा प्रचारित आख्यानों के लिए खुद को जवाबदेह नहीं ठहराया जाना चाहिए? दुर्भाग्य से, क्लिक और व्यू की दौड़ अक्सर इन आदर्शों पर हावी हो जाती है। सनसनीखेज सुर्खियों, उथले विश्लेषण और ध्रुवीकृत रिपोर्टिंग का प्रचलन मीडिया संस्थानों में विश्वास को कम करता है। इसके लिए मीडिया साक्षरता पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है - न केवल उपभोक्ताओं के लिए बल्कि रचनाकारों के लिए भी। पत्रकारों, संपादकों और सामग्री निर्माताओं को अपने काम के निहितार्थों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए, जबकि दर्शकों को उनके द्वारा उपभोग की जाने वाली जानकारी का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने के लिए सक्षम होना चाहिए। आधुनिक संचार चुनौतियों का विश्लेषण करने पर, एक परेशान करने वाली प्रवृत्ति उभरती है: जटिल समस्याओं का सतही समाधान। चाहे वह जल्दबाजी में की गई हेडलाइन हो, अतिसरलीकृत ट्वीट हो, या संक्षिप्त नीति घोषणा हो, संक्षिप्तता अक्सर गहराई की कीमत पर आती है। जबकि सुपाच्य सामग्री की मांग समझ में आती है, यह महत्वपूर्ण मुद्दों को तुच्छ बनाने और बौद्धिक शालीनता की संस्कृति को बढ़ावा देने का जोखिम उठाती है। इसका मुकाबला करने के लिए, मजबूत संचार मूल्यांकन रणनीतियों की तत्काल आवश्यकता है। स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ताओं को प्लेटफ़ॉर्म, समाचार आउटलेट और सरकारों द्वारा प्रसारित सूचना की गुणवत्ता, सटीकता और प्रभाव का आकलन करना चाहिए। इससे न केवल जवाबदेही बढ़ेगी बल्कि संचार की अखंडता में विश्वास भी बहाल होगा। ₹3Os₹ की घटना - अत्यधिक प्रचारित, अतिरंजित और अतिकल्पित - 2025 में प्रभावी संचार के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा पैदा करती है। अति-प्रचारित आख्यान छोटे मुद्दों को संकट में डाल देते हैं, अत्यधिक संसाधन सामग्री की गुणवत्ता को कमजोर कर देते हैं, और अतिकल्पित समाधान जितना प्रदान कर सकते हैं उससे अधिक का वादा करते हैं। ये प्रवृत्तियाँ मिलकर एक संचार वातावरण का निर्माण करती हैंअविश्वास और गलतफहमी के साथ. भू-राजनीति में इसके विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। अतिउत्साहित तनाव संघर्षों को बढ़ा सकता है, अतिरंजित कूटनीति जांच के तहत लड़खड़ा सकती है, और अतिकल्पित रणनीतियाँ जमीनी हकीकत को संबोधित करने में विफल हो सकती हैं। इन जोखिमों को कम करने के लिए, संचार को प्रामाणिकता, स्पष्टता और उद्देश्य पर आधारित होना चाहिए। इन चुनौतियों के बावजूद, आशा है। संचार प्रौद्योगिकियों का तेजी से विकास बेहतर तालमेल और सहयोग के अवसर प्रदान करता है। बहुभाषी एआई मॉडल, वास्तविक समय अनुवाद सॉफ्टवेयर और इमर्सिव वर्चुअल प्लेटफॉर्म जैसे उपकरण सांस्कृतिक और भाषाई विभाजन को पाट सकते हैं, जिससे भूराजनीति की बेहतर समझ को बढ़ावा मिल सकता है। हालाँकि, इन उपकरणों का उपयोग सावधानी से किया जाना चाहिए। एल्गोरिदम और स्वचालन पर अत्यधिक निर्भरता से मानवीय संबंध और सहानुभूति का नुकसान हो सकता है। संचार में मानवीय तत्व-संदर्भ, भावना और बारीकियाँ-अपूरणीय बनी हुई हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि इन उपकरणों का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाए, उनकी तैनाती को नैतिक ढांचे और मानवीय निरीक्षण द्वारा निर्देशित किया जाना चाहिए। जब भारत की बात आती है, तो राष्ट्र कुशल भू-राजनीति और संचार में एक गतिशील शक्ति के रूप में खड़ा होता है, जो परंपरा को नवाचार के साथ जोड़ता है। विविध आख्यानों की अपनी समृद्ध विरासत और वैश्विक दक्षिण के लिए एक आवाज के रूप में अपनी बढ़ती भूमिका के साथ, भारत की संचार पहुंच सांस्कृतिक और वैचारिक विभाजन को पाटने के लिए विशिष्ट रूप से तैनात है। देश का प्रभाव अपनी सीमाओं से कहीं अधिक बढ़ गया है, खासकर जी20, ब्रिक्स और संयुक्त राष्ट्र जैसे बहुपक्षीय मंचों में इसकी सक्रिय भागीदारी के माध्यम से। दक्षिण-दक्षिण सहयोग पर भारत का जोर और डिजिटल नवाचार में अग्रणी के रूप में इसकी भूमिका इसे वैश्विक संचार प्रतिमानों को नया आकार देने के लिए उपजाऊ जमीन बनाती है। समावेशी आख्यानों का समर्थन करके और वैश्विक दक्षिण के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत को बढ़ावा देकर - जैसे कि जलवायु न्याय, सतत विकास, प्रौद्योगिकी तक समान पहुंच और शिक्षा प्रणाली को मजबूत करना - भारत विकासशील देशों के बीच एकजुटता और साझा विकास को बढ़ावा देने के लिए अपने संचार परिदृश्य का लाभ उठाता है। एक संचार महाशक्ति के रूप में, भारत की रणनीतियाँ परंपरा और नवीनता को संतुलित करने के लिए एक टेम्पलेट प्रदान करती हैं, जो एक अधिक जुड़े हुए और सहानुभूतिपूर्ण विश्व की आशा प्रदान करती हैं। आगे देखते हुए, संचार में सबसे गहरा बदलाव संघर्षों को बढ़ाने के बजाय हल करने की इसकी क्षमता में निहित है। विभाजन से चिह्नित दुनिया में, मेल-मिलाप, सहानुभूति और सहयोग के संदेश देने की क्षमता अमूल्य है। सरकारों, मीडिया और प्रौद्योगिकी कंपनियों को ऐसी संचार रणनीतियों को प्राथमिकता देनी चाहिए जो बांटने के बजाय एकजुट करें। उदाहरण के लिए, सहयोगात्मक कहानी कहने की पहल आम अनुभवों को साझा करने के लिए परस्पर विरोधी क्षेत्रों की आवाज़ों को एक साथ ला सकती है। प्लेटफ़ॉर्म शांति निर्माण और लचीलेपन की कहानियों को बढ़ा सकते हैं, जबकि सरकारें आपसी समझ को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक कूटनीति में निवेश कर सकती हैं। 2025 का संचार परिदृश्य एक दोधारी तलवार है। जबकि गलत सूचना और सतहीपन जैसी चुनौतियाँ बड़ी हैं, सकारात्मक परिवर्तन की संभावना भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। इस अनिश्चित क्षण से निपटने के लिए, हमें मीडिया साक्षरता, जवाबदेही और प्रौद्योगिकी के नैतिक उपयोग को प्राथमिकता देनी चाहिए। हमें उथली, विभाजनकारी कहानियों से दूर जाना चाहिए और गहराई, प्रामाणिकता और सहानुभूति को अपनाना चाहिए। सवाल यह नहीं है कि क्या हमारे पास सार्थक परिवर्तन लाने के लिए उपकरण हैं, सवाल यह है कि क्या हमारे पास उनका बुद्धिमानी से उपयोग करने की इच्छाशक्ति है। अभूतपूर्व कनेक्टिविटी के युग में, संचार की शक्ति केवल मैं ही नहीं हैन केवल उपकरण बल्कि हम उन्हें कैसे इस्तेमाल करना चुनते हैं। भविष्य स्पष्टता, विवेक और देखभाल के साथ संवाद करने की हमारी क्षमता पर निर्भर करता है।

पहले वेतन आयोग से लेकर 7वें तक... कितनी बढ़ी कर्मचारियों की सैलरी; जानिए पूरी डिटेल

परिवहन विशेष न्यूज

पहले वेतन आयोग का गठन 1946 में हुआ था। इसका मकसद आजादी के वेतन ढांचे को बेहतर बनाना था। इसमें कर्मचारियों के लिए न्यूनतम वेतन 55 रुपये महीना तय किया गया था ताकि वे सम्मान के साथ जीवन जी सकें। आठवें वेतन आयोग के लागू होने के बाद न्यूनतम वेतन 51480 रुपये तक हो सकता है। आइए जानते हैं कि पहले से लेकर सातवें वेतन आयोग तक सैलरी कैसे बढ़ी।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 8वें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है। फिटमेंट फैक्टर के आधार पर अनुमान है कि इससे केंद्रीय कर्मचारियों की न्यूनतम बेसिक सैलरी में 186 फीसदी का भारी उछाल आएगा। यह अभी 18,000 रुपये है, जो 8वां वेतन आयोग लागू होने के बाद बढ़कर 51,480 रुपये हो सकती है। आइए जानते हैं कि पहले वेतन से लेकर सातवें वेतन का गठन कब कैसे हुआ और इस दौरान सरकारी कर्मचारियों की सैलरी कितनी बढ़ी।

पहला वेतन आयोग

पहले वेतन आयोग का कार्यकाल मई 1946 से मई 1947 तक था। इसके अध्यक्ष श्रीनिवास वरदाचार्य थे। वेतन आयोग के गठन का मकसद आजादी के वेतन ढांचे को बेहतर बनाना था। इसमें 'जीवन यापन के लिए वेतन' का सिद्धांत पेश किया गया। केंद्रीय कर्मचारियों के लिए न्यूनतम वेतन 55 रुपये महीना और अधिकतम 2000 रुपये महीना की सीमा तय की गई। इसका लाभ 15 लाख कर्मचारियों को मिला था।

दूसरा वेतन आयोग

पहले वेतन आयोग के 10 साल बाद अगस्त 1957 में दूसरे वेतन आयोग का गठन हुआ। इसका कार्यकाल दो साल का था। इसकी अगुआई जगन्नाथ दास ने की थी। इस वेतन आयोग ने समाजवादी पैटर्न की अवधारणा पेश की, जिसमें समानता को बुनियादी सिद्धांत माना जाता है। इसका जोर गुजर-बसर करने की लागत और अर्थव्यवस्था के बीच संतुलन साधने पर था। इसका लाभ 80 लाख कर्मचारियों को मिला। इसमें न्यूनतम वेतन 80 रुपये प्रति माह करने की सिफारिश की गई थी।

तीसरा वेतन आयोग

तीसरा वेतन अप्रैल 1970 से मार्च 1971 तक था। इसके अध्यक्ष रघुबीर दयाल थे। इसमें न्यूनतम वेतन 185 रुपये प्रति माह करने की सिफारिश की गई। इस वेतन आयोग ने निजी-सरकारी क्षेत्र के वेतन में समानता पर जोर दिया। साथ ही, वेतन ढांचे में मौजूदा खामियों को दुरुस्त करने की कोशिश भी की। इस वेतन आयोग लाभ 30 लाख कर्मचारियों को मिला।

चौथा वेतन आयोग

चौथा वेतन सितंबर 1983 में गठित हुआ और इसका कार्यकाल दिसंबर 1986 में खत्म हुआ। इसमें वेतन सुधार की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ाया गया। वेतन आयोग ने सभी रैंक के बीच वेतन असमान दूर करने पर जोर दिया है। इसमें न्यूनतम वेतन 750 रुपये प्रति महीना करने की सिफारिश की गई थी।

पांचवां वेतन आयोग

पांचवां वेतन आयोग जस्टिस एस रत्नावेत पंडियन की अगुआई में गठित किया गया। इसका कार्यकाल अप्रैल 1994 से जनवरी 1997 तक था। इसमें न्यूनतम वेतन पहली बार चार अंकों में पहुंचा। इसे 2,550 रुपये प्रति माह करने की सिफारिश की गई। इसमें पे स्केल घटाने की सिफारिश की गई और सरकारी कार्यालयों के आधुनिकीकरण पर जोर दिया गया। इसका लाभ 40 लाख से अधिक कर्मचारियों को मिला।

छठा वेतन आयोग

छठा वेतन आयोग का कार्यकाल अक्टूबर 2006 से मार्च 2008 तक था। इसके अध्यक्ष जस्टिस बीएन श्रीकृष्णा थे। इसमें पे बैंड और ग्रेड पे की अवधारणा पेश की गई। न्यूनतम वेतन 7,000 रुपये प्रति माह तय किया गया और अधिकतम वेतन की सीमा 80,000 रुपये प्रति माह तक बढ़ाया गया। इसमें परफॉर्मेंस के प्रदर्शन आधारित पुरस्कार दिए जाने का कॉन्सेप्ट पेश किया। इसका लाभ 60 लाख कर्मचारियों को मिला।

सातवां वेतन आयोग

सातवें वेतन आयोग का गठन फरवरी 2014 में किया गया, जिसका कार्यकाल नवंबर 2016 तक था। इसके अध्यक्ष जस्टिस एके माथुर थे। इसमें न्यूनतम वेतन 18,000 रुपये प्रति माह तय किया गया। आयोग ने ग्रेड पे सिस्टम की जगह एक पे मेट्रिक्स का कॉन्सेप्ट पेश किया। इसमें भत्तों के साथ काम और घर के बीच संतुलन पर ध्यान केंद्रित किया गया। इससे 1 करोड़ कर्मचारियों को लाभ मिला।

ग्रामीण भारत का बदलता आर्थिक परिदृश्य: भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण निवेश अवसर

परिवहन विशेष न्यूज

अब लगभग 99 फीसदी ग्रामीण गांव सड़कों बिजली और पुलों से जुड़े हुए हैं। मोबाइल पेनिट्रेशन और डिजिटल कनेक्टिविटी नई ऊंचाइयों पर पहुंच चुकी है जिसने ग्रामीण भारत को शहरी बाजारों के करीब लाने और व्यवसायों के लिए नए अवसर खोलने में मदद की है। ग्रामीण विकास और उपभोग में वृद्धि पर केंद्रित म्यूचुअल फंड योजनाएं इस बदलाव का लाभ उठाने का एक अनूठा तरीका हो सकती हैं।

नई दिल्ली। ग्रामीण भारत तेजी से प्रगति कर रहा है। यह क्षेत्र अब केवल कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था नहीं है; बल्कि यह एक वाइब्रेंट, मल्टी-सेक्टर ग्रोथ इंजन के रूप में उभर रहा है। मैन्युफैक्चरिंग, कंस्ट्रक्शन, और ट्रेड जैसे क्षेत्रों ने पिछले कुछ दशकों में कृषि पर अत्यधिक निर्भरता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह विविधीकरण और बुनियादी ढांचे में हुए बड़े सुधार ग्रामीण भारत को एक उभरते हुए निवेश हॉटस्पॉट के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

लगभग 99% ग्रामीण गांव अब सड़कों, बिजली, और पुलों से जुड़े हुए हैं। मोबाइल पेनिट्रेशन और डिजिटल कनेक्टिविटी नई ऊंचाइयों पर पहुंच चुकी है, जिसने ग्रामीण भारत को शहरी बाजारों के करीब लाने और व्यवसायों के लिए नए अवसर खोलने में मदद की है। FMCG से लेकर ई-कॉमर्स तक, विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियां ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती क्रय शक्ति और बदलते उपभोग पैटर्न का लाभ उठा रही हैं।

साक्षरता दर में सुधार और बेहतर शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के साथ, ग्रामीण भारत न केवल आकार में बढ़ रहा है, बल्कि अपनी आर्थिक क्षमता में भी वृद्धि कर रहा है। प्रति व्यक्ति आय $2,000 को पार कर चुकी है, जिससे डिस्पोजेबल आय में भारी वृद्धि हुई है और ग्रामीण खपत को बढ़ावा मिला है। परिणामस्वरूप, विवेकाधीन व्यय (discretionary spending) बढ़ रहा है। ग्रामीण व्यय में खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी घट रही है, जो यह दर्शाता है कि अब गैर-आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं पर अधिक खर्च किया जा रहा है।

यह बदलता हुआ आर्थिक परिदृश्य, आय के स्तर में लगातार वृद्धि के साथ, एक दशक पहले शहरी भारत में देखी गई प्रवृत्ति को दिखाता है, जब शहरी खपत में बड़ा उछाल आया था। आज, भारत की दो-तिहाई आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है और सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 46% का योगदान देती है। ऐसे में ग्रामीण अर्थव्यवस्था निवेश के लिए एक आकर्षक अवसर प्रस्तुत करती है।

निवेशकों के लिए, ग्रामीण क्षेत्र अब भारत की समग्र विकास यात्रा में शामिल होने का एक सुनहरा अवसर है। ग्रामीण विकास और उपभोग में वृद्धि पर केंद्रित म्यूचुअल फंड योजनाएं इस बदलाव का लाभ उठाने का एक अनूठा तरीका हो सकती हैं। जैसे-जैसे बुनियादी ढांचा मजबूत होगा और आय के स्तर में वृद्धि होगी, ग्रामीण भारत, भारत के आर्थिक भविष्य को एक नई दिशा देने में सक्षम होगा। यह इसे किसी भी निवेश पोर्टफोलियो के लिए एक आकर्षक अवसर बनाता है।

इसी संदर्भ में, निवेशक ICICI Prudential Rural Opportunities Fund पर विचार कर सकते हैं। यह ICICI Prudential Mutual Fund की ओर से पेश किया गया एक नया फंड ऑफर (NFO) है, जो 9 जनवरी, 2025 से 23 जनवरी, 2025 तक खुला है। यह ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम मुख्य रूप से उन सेक्टर्स और कंपनियों में निवेश करने पर केंद्रित है, जो ग्रामीण भारत के विकास को बढ़ावा देते हैं और उससे लाभ उठाते हैं।

भारत के समग्र विकास को गति देने के लिए ग्रामीण भारत तैयार है, निवेशकों के लिए सुनहरा अवसर

ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली दो-तिहाई आबादी सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 46% का योगदान करती है। साथ ही ग्रामीण विकास के लिए लागू सरकारी योजनाओं का सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। ऐसे में निवेश के लिए ग्रामीण भारत एक आकर्षक विकल्प बनता जा रहा है। ऐसे में वे म्यूचुअल फंड भी निवेश का अच्छा ऑप्शन बन रहे हैं जो रूरल थीम में निवेश करते हैं।

नई दिल्ली। एक मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान देती है और आबादी के एक बड़े हिस्से को रोजगार प्रदान करती है। हालांकि अब ग्रामीण भारत कृषि-प्रधान अर्थव्यवस्था से मैन्युफैक्चरिंग और कंस्ट्रक्शन की ओर बढ़ रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह है सड़क, पुल, और बिजली जैसी बेहतर बुनियादी सुविधाओं का विकास।

इसके अलावा, इंटरनेट अब गांवों तक पहुंच चुका है, साथ ही शिक्षा और चिकित्सा सुविधाएं भी लगातार बेहतर हो रही हैं। साक्षरता दर अब तक के उच्चतम स्तर पर है, और औसत प्रति व्यक्ति आय 2,000 डॉलर को पार कर चुकी है। गांवों में बढ़ती डिस्पोजेबल आय के कारण उपभोग में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है।

बता दें कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली दो-तिहाई आबादी सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 46% का योगदान करती है। साथ ही, ग्रामीण विकास के लिए लागू सरकारी योजनाओं का सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। ऐसे में, निवेश के लिए ग्रामीण भारत एक आकर्षक विकल्प बनता जा रहा है। प्रमुख कंपनियों की हालिया रिपोर्टों से यह भी स्पष्ट है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में मांग तेजी से बढ़ रही है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उच्च वृद्धि के संकेत स्पष्ट रूप से दिख रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आय और आय के स्रोतों में वृद्धि से उनकी आर्थिक क्षमता में सुधार हो रहा है। इसके अलावा, ग्रामीण व्यय में खाद्य पदार्थों का हिस्सा घटकर 46% रह गया है, जो विवेकाधीन व्यय (discretionary spending) में वृद्धि को दर्शाता है। इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए निवेशकों को भारत के ग्रामीण विकास की इस संरचनात्मक लहर का हिस्सा बनने पर विचार करना चाहिए। वे म्यूचुअल फंड स्कीम्स पर ध्यान दे सकते हैं, जो ग्रामीण भारत के अवसरों पर केंद्रित हैं।

केस्टार फाइनेंशियल सर्विसेज के मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष रायजादा का कहना है कि ग्रामीण भारत अब देश के समग्र विकास की कहानी को गति देने के लिए पूरी तरह तैयार है। यदि आप भी इस विकास का हिस्सा बनना चाहते हैं, तो ICICI Prudential Rural Opportunities Fund पर विचार कर सकते हैं, जो ICICI Prudential Mutual Fund की नवीनतम पेशकश है। ग्रामीण थीम पर केंद्रित यह ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम 9 जनवरी, 2025 से 23 जनवरी, 2025 तक सब्सक्रिप्शन के लिए उपलब्ध है। इस फंड के माध्यम से उन सेक्टर्स और कंपनियों में निवेश किया जाएगा जो ग्रामीण भारत के विकास और वृद्धि को बढ़ावा दे रहे हैं और इससे लाभान्वित हो रहे हैं।

चीन, अमेरिका सब छूटेंगे पीछे; अगले वित्त वर्ष में सबसे तेज रहेगी भारत की रफ्तार

परिवहन विशेष न्यूज

वर्ल्ड बैंक ने भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान गुरुवार को जारी किया। इसमें चालू वित्त वर्ष की विकास दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान है जो इससे पहले 8.2 फीसदी थी। हालांकि वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की ग्रोथ 6.7 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। आइए जानते हैं कि अमेरिका और चीन की विकास दर कितनी रहने वाली है।

नई दिल्ली। भारत की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2024-25 में कुछ रफ्तार से बढ़ रही है। हालांकि, अप्रैल से शुरू हो रहे नए वित्त वर्ष में यह दोबारा तेजी से बढ़ सकती है। वर्ल्ड बैंक का अनुमान कहता है कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की इकोनॉमी 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी और ग्रोथ के मामले में सबसे टॉप पर रहेगी। वहीं, अमेरिका और चीन जैसे देशों की आर्थिक रफ्तार सुस्त पड़ेगी।

वर्ल्ड बैंक का ग्रोथ अनुमान

वर्ल्ड बैंक ने भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान गुरुवार को जारी किया। इसमें चालू वित्त वर्ष की विकास दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान है, जो इससे पहले 8.2 फीसदी थी। हालांकि, वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की ग्रोथ 6.7 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है।

वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, 'सर्विसेज सेक्टर में लगातार बढ़ोतरी की उम्मीद है। मैन्युफैक्चरिंग एक्टिविटीज भी मजबूत होंगी, क्योंकि सरकार इस सेक्टर खास फोकस कर रही है।' 2026 तक के अनुमानों में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है।

चीन, अमेरिका का क्या हाल है?

चीन मौजूदा कैलेंडर वर्ष में 4.5 प्रतिशत की अनुमानित वृद्धि के साथ भारत के बाद दूसरे नंबर पर है। अगले साल यह घटकर 4 फीसदी रह जाएगी। वहीं, दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका पिछले साल 2.8 फीसदी की दर से बढ़ी थी। इस साल अनुमानित वृद्धि दर घटकर 2.3 फीसदी और अगले वर्ष 2 फीसदी रह गई है।

वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में व्यापार तनाव और टैरिफ वृद्धि से वैश्विक अर्थव्यवस्था को होने वाले जोखिमों के बारे में चेतावनी दी गई है। हालांकि, इसमें अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम नहीं लिया गया है, जिन्होंने विश्व व्यापार को खत्म करने की धमकी दी है।

संयुक्त राष्ट्र का अनुमान

भारत की जीडीपी वृद्धि के लिए विश्व बैंक के अनुमान पिछले सप्ताह जारी संयुक्त राष्ट्र के अनुमानों के बहुत करीब हैं। संयुक्त राष्ट्र ने मौजूदा कैलेंडर वर्ष के लिए 6.6 फीसदी और अगले साल के लिए 6.8 फीसदी विकास दर की उम्मीद जताई है।

वर्ल्ड बैंक ने भारत की विकास दर में 2023-24 के 8.2 फीसदी से चालू वित्त वर्ष में गिरकर 6.5 फीसदी तक ने के लिए ₹निवेश में मंदी और कमजोर मैन्युफैक्चरिंग ग्रोथ₹ को जिम्मेदार बताया है।

कंपनी की आय ₹90351 करोड़ पहुंची, नेट प्रॉफिट 10% बढ़ा; JIO का भी रहा दबदबा

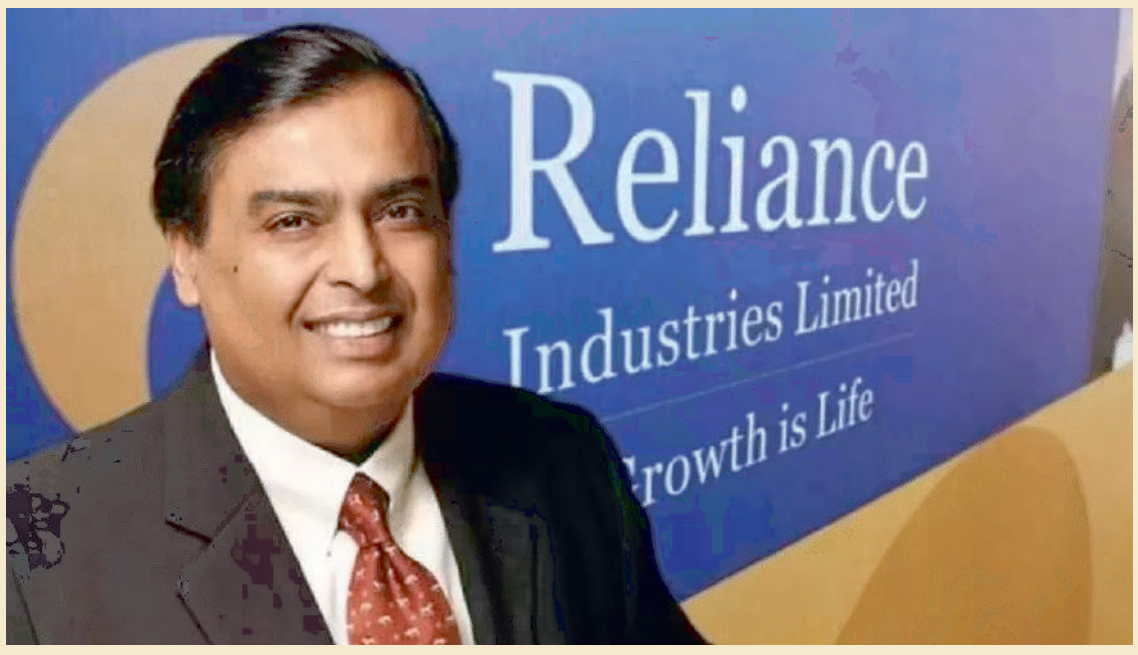

रिलायंस रिटेल ने वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही यानी Q3FY25 के लिए अपने नतीजे आज (17 जनवरी) जारी किए गए। कंपनी की आय में बढ़ोतरी हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में रिलायंस का कन्सोलिडेटेड EBITDA साल-दर-साल 7.8% बढ़कर ₹48003 करोड़ (डॉलर 5.6 बिलियन) के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। कंपनी ने डिजिटल सेवाओं और रिटेल ने शानदार प्रदर्शन किया।

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज के रिटेल सेगमेंट का बिजनेस करने वाली रिलायंस रिटेल ने वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही यानी Q3FY25 के लिए अपने नतीजे आज (17 जनवरी) जारी किए गए। कंपनी की आय में बढ़ोतरी हुई है।

EBITA में बढ़त देखने को मिली। रिलायंस रिटेल की आय सलाना आधार पर बढ़कर 90,351 करोड़ रुपये रही। कंपनी का EBITA सालाना आधार पर बढ़कर 6840 करोड़ रुपये रहा।

रिटेल में रिलायंस ने किया धमाल

वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में रिलायंस का कन्सोलिडेटेड EBITDA साल-दर-साल 7.8% बढ़कर ₹48,003 करोड़ (डॉलर 5.6 बिलियन) के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। कंपनी ने डिजिटल सेवाओं और रिटेल ने शानदार प्रदर्शन किया।

तेजी से बढ़ रही जियो 5G ऑपरेटर की संख्या

बता दें कि वर्ष 2024 के अंत तक जियो के ग्राहकों की संख्या 48 करोड़ 21 लाख पहुंच गई है। जियो, चीन के बाहर दुनिया का सबसे बड़ा स्टैंडअलोन 5G ऑपरेटर बन गया है। जियो का 5G ग्राहक आधार 17 करोड़ पार कर गया है। True5G, जियो के कुल वायरलेस ट्रैफिक का 40% हो गया है।

जियो ने दुनिया में कई सेवाएं पहली बार पहुंचाई हैं, जैसे VoNR सर्टिफिकेशन, स्लाइस आधारित और डिवाइस अवेयर लेयर मैनेजमेंट, जरूरत के मुताबिक बैंडविड्थ देने की व्यवस्था। इनसे ऊर्जा की बचत होती है, सही लोकेशन मिलता है और केपेसिटी के नुकसान के बगैर इंटरफेरेंस को रोका जाता है।

अब तक 19 हजार से ज्यादा स्टोर खुले

इस साल रिलायंस रिटेल ने 779 नए स्टोर खोले। कुल स्टोर की संख्या अब बढ़कर 19,102 हो गई है, जो 7 करोड़ 74 लाख वर्ग फीट में फैले है। तिमाही में 29 करोड़ 60 लाख से अधिक लोगों ने स्टोर विजिट किया, जो साल-दर-साल 5% अधिक है।

मुकेश अंबानी ने कंपनी के फायदे पर जताई खुशी

नतीजे सामने आने के बाद चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा,₹हमारी जामनगर रिफाइनरी की 25वीं वर्षगांठ, पिछले महीने मनाई गई। मुझे यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि रिलायंस तेजी से आगे बढ़ रहा है और नित नए मानक स्थापित कर रहा है। इससे हमारे व्यवसायों में निहित ताकत और लचीलेपन की भी झलक मिलती है। इस तिमाही में कन्सोलिडेटेड स्तर पर रिकॉर्ड EBITDA और PAT की डिलीवरी इसका प्रमाण है।"

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ताकत को बढ़ा रहा जियो: आकाश अंबानी

वहीं, आकाश अंबानी ने कहा, ₹जियो ने हर भारतीय के लिए दुनिया की सबसे अच्छी संचार तकनीक लाकर डिजिटल समावेशन में अहम भूमिका निभाई है। डिजिटल इंडिया मिशन को पूरा करने के लिए जियो ने पिछले एक साल में 5G को देश भर में पहुंचाने और फिक्स्ड ब्रॉडबैंड की सेवाओं को टियर-1 शहरों से आगे ले जाने का काम किया है।"

उन्होंने आगे कहा, "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ताकत को अपनाने के साथ ही जियो ने तकनीक में इनोवेशन को बढ़ावा देकर एक ऐसे कनेक्टेड भविष्य की नींव डाल दी है जो कायाकल्प करने में मददगार साबित होगा। इसका लाभ आने वाले कई वर्षों तक सबको मिलता रहेगा।"

कितनी बढ़ेगी न्यूनतम सैलरी और पेंशन, ग्रेच्युटी पर क्या होगा असर?

परिवहन विशेष न्यूज

आठवां वेतन आयोग केंद्र सरकार ने आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है। यह साल 2026 तक अपनी रिपोर्ट सौंपेगा। इसके लागू होने के बाद केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी और ग्रेच्युटी में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। साथ ही इसका फायदा पेंशनभोगियों को भी मिलेगा। आइए समझते हैं कि नया वेतन आयोग लागू होने के बाद सैलरी पेंशन और ग्रेच्युटी कितनी होगी।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 8वें वेतन आयोग (8th Pay Commission) के गठन को मंजूरी दे दी है। सातवां वेतन आयोग साल 2016 में लागू हुआ था। इसके बाद सरकारी कर्मचारियों की न्यूनतम सैलरी 7,000 रुपये से बढ़कर 18,000 रुपये हुई थी। वहीं, पेंशनभोगियों की पेंशन में भी 23.66 फीसदी का भारी इजाफा हुआ था। आइए जानते हैं कि आठवें वेतन आयोग के लागू होने पर केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी और पेंशनभोगियों की पेंशन में कितनी बढ़ोतरी होगी। साथ ही, इसका ग्रेच्युटी पर क्या असर होगा।

कितनी बढ़ेगी बेसिक सैलरी?

सातवां वेतन आयोग 2016 में लागू किया गया था। इसके मुताबिक न्यूनतम 18,000 रुपये है। इस पर महंगाई भत्ता अभी 53 फीसदी मिलता है। जनवरी 2026 तक यह बढ़कर 59 फीसदी हो जाएगा। इसका मतलब यह हुआ कि न्यूनतम वेतन 28,620 रुपये हो जाएगा। अब सातवें वेतन आयोग की तरह अगर आठवें आयोग में भी फिटमेंट फैक्टर 2.57 रहता है, तो न्यूनतम वेतन बढ़कर 46,620 रुपये हो जाएगा। इस तरह से आठवें वेतन आयोग के बाद न्यूनतम वेतन करीब 38 फीसदी बढ़कर 46,620 रुपये हो जाएगा।

अध कितम सैलरी कितनी होगी?

अगर सातवें वेतन आयोग की बात करें, तो हायर ग्रेड वाले सेक्रेटरी लेवल के अधकिारी की बेसकि सैलरी अभी 2.5 लाख रुपये है। इनकी सैलरी में महंगाई भत्ता नहीं जुड़ता। अगर आठवें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 2.57 रहता है, तो इनकी सैलरी ढाई लाख से बढ़कर 6.4 लाख रुपये (250000x2.57) हो जाएगी। वहीं, ग्रेच्युटी की अधकितम लमिटि 30 लाख रुपये है। अगर सरकार इसमें कोई इजाफा नहीं करती, तो यह जस की तस रहेगी।

पेंशन पर क्या होगा असर?

सातवां वेतन आयोग लागू होने पर रिटायर्ड केंद्रीय कर्मचारयिों की पेंशन करीब 23.66 फीसदी तक बढ़ी थी। वहीं, छठे वेतन आयोग के तहत पेंशन में 14 फीसदी की बढ़ोतरी हुई थी। अगर फिटमेंट फैक्टर के हिसाब से देखें, तो आठवें वेतन आयोग में पेंशन करीब 34 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है। मिसाल के लिए, किसी रिटायर्ड केंद्रीय कर्मचारी का बेसिक पे 50,000 हजार रुपये रहता है और इस हिसाब से उसे 25,000 रुपये महीना पेंशन मिलती है। अब इसमें 34 फीसदी का इजाफा होता है, तो यह 33500 (25000+8500) रुपये हो जाएगी।

ग्रेच्युटी में भी होगी बढ़ोतरी

नया वेतन आयोग लागू होने का असर सैलरी, पेंशन के साथ ग्रेच्युटी पर भी दिखता है, जो रिटायरमेंट या एक निश्चित अवधि के बाद नौकरी छोड़ने पर मिलती है। अभी 18,000 रुपये की बेसकि सैलरी वाले कर्मचारी को 30 साल की नौकरी के बाद करीब 4.89 लाख रुपये की ग्रेच्युटी मिलती है। अगर फटिमेंट फैक्टर 2.57 के हसिाब से कैलकुलेट करें, तो यह 4.89x2.57=12.56 लाख रुपये हो जाएगी। ग्रेच्युटी का कैलकुलेशन (अंतिम बेसिक सैलरी) x (15/26)x (सेवा के साल की संख्या) के आधार पर होती है।

यातायात जाम के कारण यात्री फंसे: जयदेव विहार-नंदनकानन मार्ग दिनभर जाम रहा

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भूबनेश्वर : जयदेव विहार-नंदनकानन मार्ग पर यात्रा करने वाले यात्रियों को लगातार ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ रहा है। ऐसा कहा जाता है कि इस सड़क पर दमना, नाल्को, किट, पाटिया और नंदनकानन चौराहों पर जो भी फंस जाता है, उसके लिए बचना असंभव हो जाता है। इस बीच, नंदनकानन और शिखरचंडी में पर्यटकों की बढ़ती संख्या के कारण जलभराव की समस्या और भी बढ़ गई है।लगभग एक महीने से दमना में यातायात सिग्नल खराब पड़े हैं तथा यातायात चौकियों की कमी के कारण मैनुअल यातायात नियंत्रण के कारण यातायात जाम की समस्या और भी बढ़ गई है। हालांकि दमना-गड़कना बाईपास और दो सौ फुट जेवियर बाईपास से अक्सर कई वाहन गुजरते हैं, लेकिन चंद्रशेखरपुर अंचल के दो यातायात पुलिस थाने यातायात को नियंत्रित करने में असमर्थ हैं।

आपातकालीन लॉकडाउन

जयदेव विहार-नंदनकानन मार्ग यातायात जाम के कारण एम्बुलेंस, दमकल और अन्य आपातकालीन वाहनों के लिए मौत का जाल बन गया है। अक्सर इस मुख्य सड़क के किनारे स्थित किम्स, केयर, नीलाचल, कलिंगा और वैद्यनाथ अस्पतालों में जाने वाले मरीज भी घंटों ट्रैफिक जाम में फंसे रहते हैं। सड़क पर दुर्घटनाएं होने पर समस्या दोगुनी हो जाती है।वर्ष 2024 में जयदेव विहार-नंदनकानन मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर सात सड़क दुर्घटनाएं हुईं और इस वर्ष की शुरुआत से अब तक एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है। जो लोग थोड़े समय के लिए घायल हो गए हैं वे अपंग हो गए हैं। इसका एक बेहतरीन उदाहरण वह युवा आदिवासी महिला है जिसने शहर में बस दुर्घटना में अपना हाथ खो दिया। जयदेव विहार और नंदनकानन के बीच ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कोई स्पीड ब्रेकर नहीं है।

वीवीआईपी के लिए आधी समस्या

इस मार्ग के किनारे कई स्थापित संस्थान हैं। जहां हर दिन वीवीआईपी मेहमान आते हैं। उनकी सुरक्षा के लिए कई सरकारी वाहन तैनात किए जा रहे हैं। उनकी यात्रा के दौरान सड़क अवरुद्ध कर दी जा रही है। जनता मैदान में आयोजित एक बड़े कार्यक्रम के लिए विशेष व्यवस्था किए जाने के बावजूद जेवियर स्क्वायर पर अभी भी जाम लगा हुआ है। यह सड़क कटक उच्च न्यायालय तक जाने का शॉर्टकट रास्ता है। हालांकि, इस सड़क पर चलने वाले वीआईपी वाहन आम लोगों के लिए बड़ी समस्या पैदा कर रहे हैं।

2500 साल पुराना है पीएम मोदी के गृहनगर का इतिहास, शेयर किया खूबसूरत वीडियो; जानिए क्या कहा?

शुक्रवार को सोशल मीडिया पर अचानक गुजरात का वडनगर ट्रेंड करने लगा। दरअसल पीएम मोदी ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस वीडियो में वडनगर के 2500 साल पुराने इतिहास की झलक देखने को मिल रही है। वीडियो में वडनगर के इतिहास की झलकियां मौजूद हैं। 2500 सालों का इतिहास समेटने वाला यह म्यूजियम 12500 वर्ग मीटर में फैला है।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गृह नगर वडनगर के 2500 साल पुराने इतिहास की गूंज हर तरफ सुनने को मिल रही है। यह शहर अहमदाबाद से 100 किलोमीटर की दूरी पर है। प्रधानमंत्री मोदी ने वडनगर का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर साझा किया है, जो ट्रेंड कर रहा है।

इंटरनेट मीडिया पर वडनगर के इतिहास का वीडियो शेयर करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को लिखा कि गुजरात के वडनगर का गौरवशाली इतिहास 2500 साल से भी पुराना है। इसे संजोने और संरक्षित करने के लिए यहां अनूठे प्रयास किए गए हैं।

गुजरात के वडनगर का गौरवशाली इतिहास 2500 साल से भी पुराना है। इसे संजोने और संरक्षित करने के लिए यहां अनूठे प्रयास किए गए हैं।

इस वीडियो में वडनगर के इतिहास की झलकियां मौजूद हैं। 2500 सालों का इतिहास समेटने वाला यह म्यूजियम 12,500 वर्ग मीटर में फैला है। इसे देश का पहला आर्कियोलाजिकल एक्सपीरिएंशल म्यूजियम बताया जा रहा है, पांच हजार से ज्यादा प्राचीन चीजें देखने को मिलेंगी। मिट्टी के बर्तनों से लेकर मोती और सीप के गहने, बौद्ध धर्म की खूबसूरत कलाकृतियां इस म्यूजियम की शान होंगी। इस म्यूजियम को बनाने में 300 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत आई है। यह देश का अकेला ऐसा संग्रहालय होगा, जहां खोदाई से मिली चीजों को प्रदर्शित किया जाएगा। यह म्यूजियम अगले महीने फरवरी 2025 से सभी लोगों के लिए खोल दिया जाएगा।

गृहमंत्री ने किया था म्यूजियम का उद्घाटन

दरअसल, विगत गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वडनगर में एक खास म्यूजियम का उद्घाटन किया था। इस म्यूजियम में वडनगर के 2500 साल पुराना इतिहास दिखाने वाले इस म्यूजियम के अलावा, अमित शाह ने प्रेरणा केंद्र का भी उद्घाटन किया है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्कूल है, जहां उन्होंने 9वीं से 11वीं तक की शिक्षा पूरी की थी।

अफ़गानिस्तान के साथ भारत के जुड़ाव और तालिबान

प्रियंका सौरभ

तालिबान के साथ भारत का जुड़ाव क्षेत्रीय स्थिरता, आतंकवाद-रोधी और संपर्क जैसे राष्ट्रीय हितों को सहायता, शिक्षा और लैंगिक समानता जैसे मानवीय मूल्यों के साथ संतुलित करने वाले एक सूक्ष्म दृष्टिकोण को उजागर करता है। रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए, भारत की अफ़गानिस्तान नीति विकसित वास्तविकताओं के अनुकूल है, जो संयुक्त राष्ट्र के मानवीय आवश्यकताओं के अवलोकन (2023) में उल्लिखित विकासात्मक सहायता प्रदान करते हुए इसकी सुरक्षा सुनिश्चित करती है।

तालिबान के साथ भारत का जुड़ाव राष्ट्रीय हितों और मानवीय मूल्यों जैसे संकट के दौरान मानवीय सहायता के बीच संतुलन को दर्शाता है। भारत ने कोविड-19 महामारी के दौरान 50, 000 मीट्रिक टन गेहूँ और आवश्यक चिकित्सा आपूर्ति प्रदान की, जो संकट के बीच अफ़गान लोगों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारत ने इस बात पर ज़ोर दिया कि अफ़गान धरती का इस्तेमाल उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा के ख़िलाफ़ नहीं किया जाना चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि जुड़ाव मानवीय सहायता और आतंकवाद-रोधी प्रयासों दोनों को प्राथमिकता देता है। बुनियादी ढाँचे, शिक्षा और स्वास्थ्य परियोजनाओं में भारत के निवेश ने क्षेत्रीय स्थिरता और अफ़गान नागरिकों के बीच सद्भावना को बढ़ावा देने के उसके दोहरे उद्देश्य को उजागर किया। सलमा बाँध और इंदिरा गांधी बाल स्वास्थ्य संस्थान अफगान पुनर्निर्माण और क्षेत्रीय विकास के लिए भारत की प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं।

भारत लगातार अफगानिस्तान को स्थिर करने और सद्भावना बनाए रखने के लिए संवाद को बढ़ावा देते हुए अपने भू-राजनीतिक हितों को सुरक्षित करने के लिए तालिबान नेतृत्व से जुड़ता है। भारत अकादमिक आदान-प्रदान के माध्यम से अफगान छात्रों का समर्थन करता है और चिकित्सा पर्यटन की सुविधा देता है, जो दीर्घकालिक सांस्कृतिक और मानवीय सम्बंधों को दर्शाता है। हजारों अफगान छात्र भारत में शिक्षित होते हैं, जो लोगों से लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा देते हैं। अफगानिस्तान के साथ भारत के जुड़ाव का आगे का रास्ता क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है। भारत को अफगान स्थिरता सुनिश्चित करने और पाकिस्तान या चीन जैसे विरोधी देशों पर निर्भरता कम करने के लिए मध्य एशिया, ईरान और रूस को शामिल करते हुए बहुपक्षीय प्रयासों का नेतृत्व करना चाहिए। काबुल में राजनयिक मिशनों को मज़बूत करना और उदारवादी तालिबान गुटों के साथ संवाद बढ़ाना सम्बंधों और मानवीय सहायता वितरण को संतुलित कर सकता है।

अफगानिस्तान में भारतीय सांस्कृतिक केंद्रों को फिर से खोलना आपसी समझ के केंद्र के रूप में काम कर सकता है। स्थिरता में आर्थिक निवेश: अक्षय ऊर्जा, कृषि और छोटे उद्यमों में निवेश का विस्तार भारत के क्षेत्रीय लक्ष्यों के साथ संरेखित करते हुए अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था को स्थिर कर सकता है। अफगान सौर ऊर्जा परियोजनाओं का समर्थन करने से रोजगार पैदा हो सकते हैं और विदेशी सहायता पर निर्भरता कम हो सकती है। भारत को स्वास्थ्य सेवा, खाद्य सुरक्षा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहायता बढ़ानी चाहिए, ताकि अफ़गानिस्तान की स्थिरता और विकास सुनिश्चित हो सके। भारत को तालिबान पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए और उसके साथ मिलकर काम करना चाहिए, ताकि आतंकवादी संगठनों को बेअसर किया जा सके और उसके राष्ट्रीय हितों की रक्षा की जा सके। सीमा पार आतंकवाद को रोकने के लिए खुफिया जानकारी साझा करने पर सहयोग करने से भारत के सुरक्षा उद्देश्यों को बढ़ावा मिल सकता है।

भारत-अफगानिस्तान सम्बंधों में कई बाधाएँ हैं, जिनमें पाकिस्तान की भूमिका शामिल हैं। पाकिस्तान, अफगानिस्तान में भारत की बढ़ती उपस्थिति को अपनी सुरक्षा और क्षेत्रीय प्रभाव के लिए ख़तरा मानता है, तथा उसने अफगानिस्तान के साथ अपने सम्बंधों को गहरा करने के भारत के प्रयासों को अवरुद्ध करने का प्रयास किया है। भारत और अफगानिस्तान दोनों ही आतंकवाद के निशाने पर हैं और अफगानिस्तान में अल-कायदा जैसे आतंकवादी समूहों की निरंतर उपस्थिति भारत के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। अफगानिस्तान दुनिया के सबसे गरीब और कम विकसित देशों में से एक है और सलमा बाँध और संसद भवन जैसे बुनियादी ढांचे के निर्माण और देश में निवेश करने के भारत के प्रयास सुरक्षा मुद्दों, भ्रष्टाचार और अन्य चुनौतियों के कारण बाधित हुए हैं। हाल के वर्षों में चीन अफगानिस्तान में तेजी से सक्रिय हो गया है और इससे क्षेत्र में तालिबान के साथ चीन के बढ़ते प्रभाव और जुड़ाव को लेकर भारत में चिंताएँ पैदा हो गई हैं। अफगानिस्तान विश्व में अफीम का सबसे बड़ा उत्पादक है और मादक पदार्थों के व्यापार ने इस क्षेत्र में अस्थिरता और हिंसा को बढ़ावा दिया है, जिससे भारत और अफगानिस्तान दोनों प्रभावित हुए हैं।

अफ़गानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद भारत ने काबुल में अपना दूतावास फिर से खोल दिया है। भारत ने अब तक केवल तालिबान को अलग-थलग करने पर ध्यान केंद्रित किया है। हालाँकि, एक सीमा के बाद, यह विकल्प कम लाभ देगा, क्योंकि कई अन्य देश अब तालिबान से जुड़ना शुरू कर रहे हैं और भारत अफ़गानिस्तान में एक महत्त्वपूर्ण हितधारक है। तालिबान के लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के साथ सम्बंध हैं। तालिबान के साथ बातचीत से भारत में आतंकवादी गतिविधियों के बारे में भारतीय चिंताओं को व्यक्त करने का अवसर मिलेगा। तालिबान ने भारत को काबुल में अपना मिशन पुनः खोलने के लिए प्रोत्साहित किया, देश के लिए सीधी उड़ानें पुनः शुरू कीं तथा अफगान सैन्य प्रशिक्षुओं को भी स्वीकार किया। भारत को अफगानिस्तान के प्रति एक दीर्घकालिक रणनीतिक दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जो राजनीतिक, आर्थिक, सैन्य और कूटनीतिक आयामों को एक व्यापक रणनीति के ढांचे के भीतर एक सुसंगत समग्रता में पिरो सके।

भारत की अफगान नीति क्षेत्र में भारत के रणनीतिक लक्ष्यों तथा क्षेत्रीय और वैश्विक रणनीतिक परिवेश की स्पष्ट समझ पर आधारित होनी चाहिए।

दोनों पक्षों यानी भारत और तालिबान के लिए यह आवश्यक है कि वे एक-दूसरे की चिंताओं को ध्यान में रखें और कूटनीतिक और आर्थिक सम्बंधों में सुधार करें। भारत को अफ़गानिस्तान में अपना निवेश बढ़ाना चाहिए, ख़ास तौर पर बुनियादी ढांचे के विकास, कृषि और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में। इससे अफ़गान अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने और रोज़गार पैदा करने में मदद मिलेगी, साथ ही अफ़गानिस्तान के साथ भारत की आर्थिक भागीदारी भी गहरी होगी।

भारत की संतुलित अफ़गानिस्तान नीति मानवीय प्रतिबद्धताओं को बढ़ावा देते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा और भू-राजनीतिक चिंताओं को सम्बोधित करने में इसकी व्यावहारिकता को दर्शाती है। क्षेत्रीय स्थिरता के लिए तालिबान के साथ जुड़ाव सतर्क लेकिन आवश्यक है। भविष्य के प्रयासों में भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति के अनुरूप समावेशी विकास पर ज़ोर देना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि राष्ट्रीय और वैश्विक जिम्मेदारियाँ निरंतर शांति और सहयोग के लिए संरेखित हों।

निर्बाध कनेक्टिविटी व सामरिक सुरक्षा सुनिश्चित करेगी:जेड-मोड़ सुरंग

हाल ही में 13 जनवरी को लोहड़ी पर्व के शुभ अवसर पर हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में गांदरबद जिले के गगनगीर में बहुप्रतीक्षित जेड-मोड़ सुरंग का उद्घाटन किया है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि यह सुरंग 6.5 किलोमीटर लंबी है। इस सुरंग(जेड-मोड़ सुरंग) निर्माण से जहां एक ओर सोनमर्ग में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा वहीं दूसरी ओर अन्य इलाकों से कनेक्टिविटी भी बढ़ेगी।कहना ग़लत नहीं होगा कि पर्यटन को बढ़ावा मिलने से और कनेक्टीविटी के बढ़ने से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलने से उनकी आजीविका में भी अभूतपूर्व सुधार होगा। मीडिया रिपोर्ट्स बतातीं हैं कि इस सुरंग को लगभग 2,700 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है और यह गगनगीर से प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सोनमर्ग को जोड़ेगी, जिससे हर तरह के मौसम में कश्मीर घाटी तक पहुंच आसान हो जायेगी। यह सुरंग 8,562 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। उल्लेखनीय है कि कश्मीर में हर साल भारी बर्फबारी होती है और भारी बर्फबारी के कारण विशेषकर सर्दियों में इस क्षेत्र में इधर-उधर आना-जाना मुश्किल हो जाता है। वास्तव में यह सुरंग लद्दाख और कश्मीर घाटी को जोड़ने वाले श्रीनगर- लेह मार्ग का विशेष हिस्सा है। इस सुरंग बनने का फायदा सुरक्षा बलों को भी होगा। सच तो यह है कि इस सुरंग के खुलने से लद्दाख में भारतीय सेना की पहुंच में बहुत सुधार होगा। इस सुरंग के कारण गगनगीर और सोनमर्ग के बीच दूरी 12 किलोमीटर से घटकर अब मात्र 6.5 किलोमीटर ही रह गई है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह सुरंग कश्मीर घाटी तक सीधी पहुंच प्रदान करेगी। सच तो यह है कि इस सुरंग के जरिये सोनमर्ग तक पहुंच से लद्दाख पहुंचने में काफी आसानी और सहूलियतें होगी। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि कश्मीर में हिमस्खलन की समस्या एक आम समस्या है और गगनगीर से सोनमर्ग तक की सड़कों पर सर्दियों के दौरान अक्सर हिमस्खलन, बर्फबारी आदि होते रहते हैं। यहां तक कि अनेक बार तो यहां बर्फीले तूफान भी आते हैं, जिससे श्रीनगर से सोनमर्ग तक आवागमन में अनेक प्रकार की समस्याएं पैदा होतीं हैं। सर्दियों के

मौसम में अधिक बर्फ के कारण यहां के लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है और यहां पर्यटन पर भी इसका व्यापक असर पड़ता है। इस सुरंग के कारण अब जहां आवागमन में लोगों को सुविधाएं मिल सकेंगी, वहीं पर्यटन को भी नई गति मिलेगी। कहना ग़लत नहीं होगा कि यह सामरिक और आर्थिक दृष्टि से बहुत ही महत्वपूर्ण साबित होगी। दूसरे शब्दों में कहें तो इस सुरंग के बनने से स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। सच तो यह है कि बेहतर कनेक्टिविटी होने से अब विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं के परिवहन को निश्चित ही नई गति मिलेगी। स्थानीय उत्पादक और व्यापारी अब अपने माल का परिवहन आसानी से कर सकेंगे और उनकी बाजार तक पहुंच बन सकेगी। इस संदर्भ में सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने जेड-मोड़ सुरंग के खुलने के बाद से व्यापार में 30 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान जताया है, जो अपने आप में बहुत ही महत्वपूर्ण बात है। पाठकों को बताता चलूं कि कश्मीर में पर्यटन और रणनीतिक रूप से अहम जेड-मोड़ सुरंग का शिलान्यास 4 अक्टूबर 2012 को हुआ था और यह जोजिला टनल परियोजना का ही हिस्सा है। मीडिया रिपोर्ट्स बतातीं हैं कि इसके तहत दोनों सुरंगों को जोड़ा जाएगा, जिसके लिए 18 किलोमीटर लंबी सड़क बनाई जाएगी। करीब 14 किमी लंबी जोजिला टनल दोनों दिशाओं से चलने वाली एशिया की सबसे लंबी सुरंग है, जो बालटाल और द्रास के बीच बन रही है। वास्तव में, जोजिला सुरंग परियोजना का उद्देश्य श्रीनगर और लद्दाख के बीच पूरे साल यातायात को सुचारू रखना है। कहना ग़लत नहीं होगा कि इससे कनेक्टीविटी के साथ ही आधारभूत ढांचा मजबूत और सुदृढ़ होगा। बहरहाल, यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जेड-मोड़ सुरंग की परिकल्पना यूपीए सरकार ने की थी और सुरंग की आधारशिला 4 अक्टूबर, 2012 को यूपीए-2 सरकार में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री सीपी जोशी द्वारा रखी गई थी। गौरतलब है कि यूपीए-2 सरकार के कार्यकाल में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 4 अक्टूबर 2012 को जेड-मोड़ सुरंग का शिलान्यास और भूमिपूजन किया था। एक रिपोर्ट के अनुसार रिपोर्ट के मुताबिक, यूपीए-1 सरकार में साल 2005 में पहली बार गांदरबल जिले के गगनगीर में पहाड़ी ग्लेशियर थाजीवास के नीचे सुरंग परियोजना की परिकल्पना की गई थी। रक्षा मंत्रालय के अधीन सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने वर्ष 2012 में इस परिकल्पना को आगे बढ़ाया था। इस सुरंग की खुदाई जून 2021 में पूरी कर ली गई थी और कच्ची सुरंग तैयार होने के बाद सितंबर 2021 में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सैन्य और आपात सेवा के लिए इसे शुरू करने का ऐलान किया था। यह भी उल्लेखनीय है कि जेड-मोड़ सुरंग का निर्माण कार्य अगस्त 2023 में पूरा हो चुका था, लेकिन सुरक्षा कारणों से इसका उद्घाटन नहीं हो सका था। सरकार ने फरवरी 2024 में सुरंग की सॉफ्ट-ओपनिंग की घोषणा की और इसका सीमित इस्तेमाल शुरू हो गया। अंत में यही कहूंगा कि अन्य विधियाँ तथा किफायती मार्ग नहीं होने पर सुरंग बनाने का विकल्प अपनाया जाता है। कोई भी सुरंग अन्य तरीकों की तुलना में सबसे छोटा रास्ता प्रदान करती है। साथ ही साथ सुरंग बनाने से ईंधन व समय की भी बचत होती है। वाहनों की टूट-फूट भी कम होती है। इतना ही नहीं, सुरंगें किन्हीं भी खुले रास्तों की अपेक्षा हर प्रकार के मौसमों के भी अनुकूल होती हैं और किसी भी मौसम में निर्बाध कनेक्टिविटी के साथ ही सामरिक सुरक्षा भी सुनिश्चित करती हैं।

सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार, उत्तराखंड।

'हम अच्छे रिश्ते चाहते हैं मगर...', सीमा पर बाड़ लगाने पर विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश को दी चेतावनी

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने को प्रतिबद्ध है। यह प्रोटोकॉल और समझौते का हिस्सा है। इस बड़ बंदी का उद्देश्य सीमा को अपराध मुक्त बनाना है। हाल ही में बांग्लादेश ने भारतीय उच्चायुक्त को तलब किया था। इस दौरान बांग्लादेश विदेश मंत्रालय ने भारत द्वारा की जा रही बाड़ बंदी पर आपत्ति जताई थी।

नई दिल्ली। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार सीमा पर भारत की बाड़ बंदी पर अड़ंगा लगा रही है। अब भारत ने साफ शब्दों में कहा कि वह बांग्लादेश के साथ सकारात्मक रिश्ते चाहता है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बांग्लादेश सीमा को अपराध मुक्त सुनिश्चित करना भारत की प्रतिबद्धता है। बांग्लादेश के साथ भारत का दृष्टिकोण सकारात्मक रहा है।

बाड़ लगाने पर हमने स्थिति साफ की

सीमा पर बाड़ लगाने के बारे में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि नई दिल्ली को उम्मीद है कि इस संबंध में पहले हुई सभी सहमतियों के आधार पर ढाका सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाएगा। हमने अपनी स्थिति बहुत स्पष्ट कर दी है। हमने कार्यवाहक और उप-कार्यवाहक उच्चायुक्त को तलब किया था और सीमा पर बाड़ लगाने के बारे में अपनी स्थिति साफ कर दी है।

भारत सीमा को सुरक्षित बनाने को प्रतिबद्ध

विदेश मंत्रालय ने कहा कि सीमा पर आपराधिक गतिविधियों, तस्करी और मानव तस्करी को रोकने के लिए प्रकाश व्यवस्था, तकनीकी उपकरणों की स्थापना और मवेशी बाड़ लगाने को भारत प्रतिबद्ध है। बाड़ लगाने का उद्देश्य सीमा को सुरक्षित करना है। उम्मीद है कि बांग्लादेश इन अपराधों से निपटने में सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाएगा।

भारत सकारात्मक संबंध चाहता है

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि जहां तक भारत-बांग्लादेश संबंधों का सवाल है तो हम कई बार अपना रुख स्पष्ट कर चुके हैं। हमारे विदेश सचिव ने बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के प्रमुख से मुलाकात में कहा था कि हम सकारात्मक संबंध चाहते हैं। हम चाहते हैं कि भारत-बांग्लादेश संबंध दोनों देशों के लोगों के लिए अच्छे हों।

कर लो नेकी, देखा-देखी

कर सको तो कर लो नेकी,
किसी की भी देखा-देखी।
अपने सद्कर्मों से रिझाओं,
दिल के अंदर तक समाओ।
भले ही रूपया ना कमाओ,
व्यवहार से झाँकी जमाओ!
यूँ प्रेम तुम सभी का पाओं।

कर सको तो कर लो नेकी,
किसी की भी देखा-देखी।
न दुखाओ किसी का दिल,
यूँ बोलों विचार जाए मिल।
जीवन न बन जाए बोझिल,
कहों सभी से हँस के मिल!
मन प्रफुल्लित होकर खिल।

कर सको तो कर लो नेकी,
किसी की भी देखा-देखी।
ईर्ष्या नहीं प्रतिस्पर्धा करो,
यूँ लम्हाँ-लम्हाँ बढ़ते चलों।
स्नेह का बंधन भी बाँध लो,
हाथ यूँ किसी का थाम लो!
बस एक जिंदगी संवार दो।

संजय एम तराणेकर

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023